04 - वी.आई.पी. कल्चरः क्या निर्वाचित राजतंत्र है?

05 - पर्यावरण निर्माण व नष्ट होने के लिए मानव जवाबदार

06- कब होंगे तापी, शनि सरोवर के घाट संरक्षण के प्रयास, जर्जर हुए घाट...

07- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डॉ. मुखर्जी के सपनों को कर रहे साकार...

A Daily News Magazine

इंदौर

सोमवार, 24 जून, 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 247, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

प्रसंगवश

पूर्वी एशिया के देशों में बढ़ रहा है धर्म परिवर्तन का चलन

लेबो डिसेको

जून का पालन-पोषण दक्षिण कोरिया में एक ईसाई परिवार में हुआ, लेकिन अपने देश के कई लोगों की तरह अब उनकी धार्मिक मान्यताएँ उस समय से बहुत अलग हैं जब वह एक बच्चे थे। राजधानी सोल से फ़ोन पर बात करते हुए वो कहते हैं, 'मैं नहीं जानता कि क्या सच है, हो सकता है कि ईश्वर का अस्तित्व हो, या ये भी हो सकता है कि वह ईश्वर ही हो, या ये भी हो सकता है कि वो कुछ अलौकिक हो।'

'जून' के माता-पिता अभी भी ईसाई हैं। उनका कहना है कि अगर उनके माता-पिता को ये पता चला कि उनका बेटा अब आस्तिक नहीं रहा तो उन्हें 'गहरा दुख' होगा। वो परेशान ना हों इसलिए उन्होंने हमसे नाम बदल कर बात की। 'जून' उनका असली नाम नहीं है।

'जून' का अनुभव अमेरिकी थिंक टैंक प्यू रिसर्च सेंटर की नई स्टडी को दर्शाता है। इस स्टडी में कहा गया है कि पूर्वी एशिया के देशों में लोगों के धर्म छोड़ने और धर्म बदलने की दर दुनिया में सबसे अधिक है। 10 हज़ार से अधिक लोगों से उनकी धार्मिक मान्यताओं के बारे में पूछा गया, और उनमें से कई ने कहा कि अब उनकी धार्मिक पहचान उस धार्मिक पहचान से अलग है, जिसमें वो पले-बढ़े थे। यानी उनके बचपन का धर्म और मान्यताएं उनके लिए बदल गई हैं।

हॉन्ग-कॉन्ग और दक्षिण कोरिया इस लिस्ट में सबसे ऊपर हैं। यहां देश में 53 फ़ीसदी जवाब देने वालों ने कहा कि उन्होंने अपनी धार्मिक पहचान बदल ली है, इसमें वो लोग भी शामिल हैं, जिन्होंने धर्म की अवधारणा ही पूरी तरह छोड़ दी। ताइवान में 42 प्रतिशत लोगों ने अपनी धार्मिक मान्यताएँ बदल ली हैं, और जापान में यह संख्या 32 प्रतिशत है।

इसकी तुलना यूरोप में 2017 में किए गए सर्वे से करें तो वहां कोई ऐसा देश नहीं मिला, जहां धर्म बदलने की दर 40 प्रतिशत से अधिक हो। या अमेरिका भी जहां पिछले साल जुटाए गए डेटा से पता चला कि वहां 28 फ़ीसदी ही वयस्क ऐसे हैं जो अब वो धर्म नहीं मानते जिसके साथ वो पले-बढ़े।

'जून' के लिए, उनकी सोच में बदलाव घर छोड़ने और नए विचारों से परिचित होने के साथ हुआ। जब वो छोटे थे तो उनका परिवार 'हर सुबह लगभग 6 बजे उठता था, और हर कोई बाइबिल की आयतें पढ़ता। हर सुबह एक छोटी सी पूजा सेवा होती थी।' उन्होंने 19 साल की उम्र में घर छोड़ दिया और सोल के सबसे बड़े चर्च में जाने लगे जिसके हज़ारों सदस्य थे। वहां बाइबिल की बहुत शाब्दिक व्याख्या की गई थी, उदाहरण के लिए विकास के सिद्धांत को खारिज करना। ये मानना वैज्ञानिक सिद्धांत के ख़िलाफ़ था। इसी तरह कई और कारणों से जून का दुनिया के प्रति जो रवैया था वो बदल गया। जून कहते हैं कि उनके लगभग आधे दोस्त अब उस धर्म में विश्वास नहीं रखते, जिसमें वे पले-बढ़े थे, ख़ासकर वो जिनकी परवरिश बतौर ईसाई हुई।

ऐसा नहीं है कि सिर्फ़ ईसाई धर्म ही से लोगों का मोह-भंग हो रहा है, बौद्ध धर्म को मानने वाले 20 प्रतिशत लोग अब इस धर्म को छोड़ चुके हैं। हॉन्ग-कॉन्ग और जापान में यह संख्या 17 प्रतिशत है। पूर्वी एशिया में लोगों के बीच नया धर्म अपनाने का चलन बढ़ रहा है।

उदाहरण के लिए, दक्षिण कोरिया में ईसाई धर्म को मानने वालों में 12 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि बौद्ध धर्म के अनुयायियों में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हॉन्ग-कॉन्ग में, ईसाई धर्म और बौद्ध धर्म के अनुयायियों में क्रमशः 9 प्रतिशत और 4 प्रतिशत की बढ़त देखी गई। हालांकि, अपनी धार्मिक पहचान बदलने वालों में सबसे बड़ी संख्या उन लोगों की है जो किसी भी धर्म को अब नहीं मानते। यह संख्या दुनिया के हिस्सों की तुलना में पूर्वी एशियाई देशों में अधिक है।

हॉन्ग-कॉन्ग में 37 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया में 35 प्रतिशत लोगों ने कहा है कि वो अब किसी धर्म को नहीं मानते। जबकि ये संख्या नॉर्वे में 30 प्रतिशत और अमेरिका में 20 प्रतिशत है। लेकिन बढ़ती धर्मनिरपेक्षता के बावजूद, इस पूरे क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग कहते हैं कि वे अभी भी आध्यात्मिक अनुष्ठानों और प्रथाओं में भाग लेते हैं।

सर्वे किए गए सभी देशों में किसी भी धार्मिक पहचान से अलग रखने वाले लोगों में से आधे से ज़्यादा लोगों ने कहा कि उन्होंने पिछले एक साल में अपने पूर्वजों के सम्मान में अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। सर्वे में ज़्यादातर लोगों ने ये भी कहा कि वो देवताओं या ना दिखने वाली शक्ति में विश्वास करते हैं। धार्मिक स्टडी के जानकार डॉक्टर से-वुंग कू के लिए यह कोई हैरान करने वाली बात नहीं है। सोल से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अलग-अलग धर्मों के पहलुओं को अपनाना इस क्षेत्र के इतिहास के अनुरूप है।

वह कहते हैं, 'ऐतिहासिक रूप से कहें तो पूर्वी एशिया में जिसे आप खास धार्मिक पहचान कहते हैं, उस पर कम ध्यान दिया जाता रहा है। अतीत में भी अगर आप ताओइस्ट थे तो इसका मतलब ये नहीं था कि आप उसके साथ ही बौद्ध या कन्फ्यूशियन नहीं हो सकते थे। पश्चिम की तुलना में यहां इस तरह का साफ़ विभाजन नहीं रहा।' 19वीं शताब्दी में पश्चिमी देशों के साथ संपर्क और उसका प्रभाव बढ़ने के बाद धर्म की अवधारणा पूर्वी एशिया में वैसी ही पैदा हुई जैसा कि हम आज देखते हैं। डॉ. कू कहते हैं कि इस क्षेत्र में एक साथ कई पहचानों और परंपराओं को अपनाने की क्षमता कभी ख़त्म नहीं हुई। उन्होंने अपने घर में भी ऐसा होते देखा है। डॉ. कू कहते हैं कि उनकी मां ने कई मौकों पर अपनी धर्मिक पहचना बदली है।

उन्होंने कहा, 'पिछले सप्ताहांत उन्होंने हमारे इलाके में एक कैथोलिक चर्च के सदस्य के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया और मुझे यकीन था कि वह रविवार को वहाँ जाएंगी', लेकिन फिर उन्होंने बताया कि वह वास्तव में एक लोकल इवेंजेलिकल चर्च में 'प्रेयर हीलिंग सेशन में जा रही हैं।' डॉ. कू ने अपनी मां से पूछा, 'कैथोलिक चर्च का क्या हुआ, माँ?' तो उनकी मां ने कहा कि उस समय उन्हें 'किसी भी चीज़ से ज़्यादा हीलिंग की ज़रूरत थी।'

उनकी माँ 'कैथोलिक चर्च जाना चाहती थीं क्योंकि वह कैथोलिक हुआ करती थीं, लेकिन जब उन्हें लगता है कि उन्हें किसी खास तरह के रिलीफ़ की ज़रूरत है, तो वह दूसरी परंपरा में जाने से नहीं कतरातीं।'

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित रिपोर्ट के संपादित अंश)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

जीएसटी में लाने की तैयारी
सस्ते होंगे पेट्रोल-डीजल!

20 रुपए तक घट सकते हैं दाम, वित्तमंत्री बोलीं-हम तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट देखने को मिल सकती है। सरकार पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है तो पेट्रोल और डीजल की कीमत में 20 रुपए लीटर तक की कमी देखने को मिल सकती है। यानी दिल्ली के हिसाब से इनकी कीमत 75 रुपए लीटर पर आ जाएगी। कल यानी 22 जून को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी कार्उसिल की मीटिंग की। इसमें वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में

- **राज्य सरकारों पर छोड़ा फैसला, हर लीटर पर 35 की कमाई**

लाने के लिए तैयार है। अब राज्यों को इस बारे में फैसला लेना है। राज्यों को साथ आकर इसकी दरें तय करनी हैं। अभी जब आप दिल्ली में 94.72 रुपए का एक लीटर पेट्रोल डलवाते हैं तो इसमें से 35.29 रुपए टैक्स के रूप में केंद्र और राज्य सरकार की जेब में जाता है। यानी आपको 59.43 रुपए का ही पेट्रोल मिला। इससे आम लोगों की जेब खाली होती है, वहीं, सरकार का खजाना तेजी से भरता है। अभी हर राज्य अपने हिसाब से पेट्रोल और डीजल पर टैक्स लगाता है। केंद्र भी अपनी ड्यूटी और सेस अलग से वसूल करता है। पेट्रोल-डीजल का बेस प्राइस अभी 55.46 रुपए है। इस पर केंद्र सरकार 19.90 रुपए एक्साइज ड्यूटी ले रही है। इसके बाद राज्य सरकारें अपने हिसाब से वैट और सेस वसूलती हैं। इससे इनकी कीमत बेस प्राइस से करीब 2 गुना तक बढ़ जाती हैं। अगर सरकार पेट्रोल-डीजल जीएसटी के दायरे में लाती है, तो इनकी कीमतों में 20 रुपए लीटर तक की कमी देखने को मिल सकती है। इसके अलावा पूरे देश में पेट्रोल-डीजल के दाम लगभग एक जैसे हो जाएंगे। जैसे भी दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए लीटर और डीजल 87.62 रुपए लीटर है। वहीं मध्यप्रदेश के भोपाल में पेट्रोल 106.47 रुपए लीटर और डीजल 91.84 रुपए लीटर है। पेट्रोल-डीजल जीएसटी के दायरे में आने के बाद ऐसा नहीं रहेगा। सभी जगह लगभग एक जैसे दाम रहेंगे।

देर से ही सही आखिरकार जाग गई बिहार सरकार

- **भरभराकर गिरे ब्रिज तो ऐक्शन में आई नीतिश सरकार, कराएगी ऑडिट**

पटना (एजेंसी)। बिहार में सात दिन के अंदर तीन पुल गिर गए। धड़ाधड़ गिर रहे पुल ने नीतिश सरकार की नींद उड़ा दी है। लगातार पुल का ध्वस्त होते जाने को लेकर राज्य सरकार ने एहतियाती कदम उठाने का फैसला लिया है। दरअसल, इन दिनों बिहार के ग्रामीण इलाकों में कई पुल के भरभरा कर गिर जाने के बाद सचेत हुई सरकार ब्रिज की कमजोरी को जानने और नए पुल

मजबूत बने, इसके लिए सभी ग्रामीण पुलों की स्ट्रक्चरल ऑडिट कराने जा रही है। मकसद यह है कि सरकारी राशि का सदुपयोग हो और जानमाल की सुरक्षा भी की जा सके। साथ ही आवागमन को लेकर किस तरह की परेशानी होती है, इस बात को भी जानने की कोशिश होगी। ग्रामीण कार्य विभाग इस महत्वपूर्ण स्ट्रक्चरल ऑडिट की जिम्मेदारी ली है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर विभागीय अभियंताओं और अधिकारियों की तैनाती होगी। विभागीय ऐप के माध्यम से हर दिन ऑडिट से जुटाई गई जानकारी मुख्यालय भेजी जाएगी। इस आधार पर मुख्यालय स्तर से मॉनीटरिंग होगी।

सुप्रभात

बहुत दूर से खिड़की से
झाँकना शुरू कर देता है
अभी तो घुप्प अँधेरे में
चल रही है रेल
फिर दिखती है शहर की
जगमगाती रौशनी
जलते दीयों की क़तारें
इसी के साथ ठंडी
हवा का झोंका आता है
खिड़की से
यात्री अपना बिखरा सामान
समेटना शुरू करता है
नाक में घुसती है चिमनियों से
निकलते रसायनों की गंध
अपना शहर आ गया
खट्- खट् करती धीमी
होती रेल भोर होने के
कुछ पहले रुक जाती है एक
सोये-से स्टेशन पर
थका हुआ यात्री अपना
सामान उतारता है
आख़िरी सामान के उतारते
ही वह भूल जाता है
अपना सफ़र और
सफ़र में मिले लोग
जैसे वह कोई स्वप्न था
पर क्या था याद नहीं।

- चंद्रशेखर साकल्ले

मुख्यमंत्री ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. मुखर्जी के बलिदान दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाना डॉ. मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महानायक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आजादी के पहले और आजादी के तुरंत बाद देश के सामने आने वाली चुनौतियां के संबंध में बड़ी भूमिका का निर्वहन किया। बंग-भंग योजना की विभीषिका का आकलन और जम्मू कश्मीर की चुनौती को समय रहते भांप लेना डॉ. मुखर्जी जैसे महापुरुष के लिए ही संभव था। वे 33 वर्ष की आयु में कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति बने, तत्पश्चात मंत्री पद ग्रहण करना उनकी मेधा का परिचायक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. मुखर्जी के बलिदान दिवस पर, भाजपा कार्यालय के निकट स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि व माल्यार्पण करने के बाद, अपने संबोधन में यह बात कही।

अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए, मध्यप्रदेश को नंबर वन बनाएंगे

भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि आवागमन के साधन को लेकर हमारी सरकार गंभीरता से काम कर रही है। वर्तमान में इंदौर और भोपाल मेट्रो ट्रेन का प्रोजेक्ट चल रहा है। जिसके आखिरी चरण का काम शेष रह गया है, जल्द ही दोनों मेट्रो ट्रेन की शुरुआत होने जा रही है। साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने वंदे भारत ट्रेन का नया वर्जन निकाला है। जिसमें हमारी बनी बनाई पटरियों पर वन्दे मेट्रो ट्रेन चलाई जाएगी। जिसकी स्पीड भी डबल हो जाएगी।

सिवनी कलेक्टर-एसपी को हटाने के बाद बोले सीएम

एडीजी की जांच रिपोर्ट के बाद गोवंश वध मामले में आगे भी होगी कार्यवाही

सिवनी में गोवंश की हत्या के मामले में कलेक्टर और एसपी को हटाने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इस मामले की जांच के लिए सिवनी गई एडीजी स्तर के अफसर की टीम की रिपोर्ट पर आगे और एक्शन लिया जाएगा। प्रदेश में गोवध अधिनियम लागू है और उसका पालन सख्ती से होगा। राज्य स्तर पर इसकी मानिटरिंग का काम सरकार कर रही है। सीएम यादव ने ये बातें रविवार को राजधानी में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद कहीं। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को लेकर सरकार गंभीर है। सभी जिलों को निर्देश हैं कि प्रदेश में गोवध अधिनियम लागू है। इस अधिनियम के अंतर्गत जो भी अपराध करे उस कठोर कार्यवाही करें।

18वीं लोकसभा का पहला सत्र आज से, हंगामे के आसार

- **पीएम नरेन्द्र मोदी समेत 280 सांसद लेंगे पहले दिन शपथ**

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वीं लोकसभा का पहला सत्र कल यानि सोमवार से शुरू हो रहा है। लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होगी। सबसे पहले सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी कैबिनेट में शामिल मंत्री बतौर सांसद शपथ लेंगे। प्रोटेम स्पीकर

- **26 को लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव, 27 को अभिभाषण**

भर्तृहरि महताब उन्हें शपथ दिलाएंगे। इसके बाद नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलायी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी शपथ ग्रहण करेंगे। उसके बाद मंत्री परिषद के अन्य सदस्य सांसद के रूप में शपथ लेंगे। मोदी कैबिनेट में शामिल मंत्रियों में 58 लोकसभा के सदस्य हैं। केंद्रीय मंत्री परिषद में शामिल 13 सदस्य राज्यसभा के सांसद हैं और एक मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू अभी किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। वह लुधियाना से बीजेपी के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़े थे, लेकिन हार गए थे। प्रधानमंत्री मोदी और उनके मंत्रियों के बाद अंग्रेजी वर्णमाला

के अनुसार राज्यवार सांसदों को शपथ दिलायी जाएगी। संसद के इस सत्र में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं होगा। इस फॉर्मूले के मुताबिक, सबसे पहले असम के सांसद और सबसे अंत में पश्चिम बंगाल के सांसद शपथ लेंगे। संसद सत्र के पहले दिन यानी 24 जून को 280 नवनिर्वाचित सांसद शपथ लेंगे। दूसरे दिन यानी 25 जून को 264 नवनिर्वाचित सांसद शपथ लेंगे। इसके बाद 26 जून को लोकसभा स्पीकर का चुनाव होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 जून को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। 28 जून को सरकार राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा कराने की कोशिश करेगी, हालांकि हाल ही में हुए नीट पेपर लीक पर विपक्ष हंगामा कर सकता है ऐसे भी आसार बन रहे हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण के जवाब में पीएम मोदी 2 जुलाई को लोकसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री 3 जुलाई को राज्यसभा में बोलेंगे। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 20 जून को बताया था कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा के कटक से भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। राष्ट्रपति ने अध्यक्ष के चुनाव तक प्रोटेम स्पीकर की सहायता के लिए सुरेश कोडिकुन्निल, थालिकोट्टई राजुतेवर बालू, राधा मोहन सिंह, फग्गन सिंह कुलस्ते और सुदीप बंद्योपाध्याय को भी नियुक्त किया है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो संसद के निचले सदन यानी लोकसभा में स्पीकर का पद बीजेपी को मिलने की उम्मीद है, जबकि डिप्टी स्पीकर का पद एनडीए के सहयोगी दलों में से किसी को दिया जा सकता है। इंडिया ब्लॉक ने डिप्टी स्पीकर पद की मांग की है, जो परंपरागत रूप से विपक्ष के पास जाता है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 42.5 °c
न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 24 जून 2024

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
>
> चाणक्य नीति

बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव में संघ की होगी अहम भूमिका!

- जेपी नड्डा के मंत्री बनने के बाद चर्चाओं की बाजार गर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के केंद्र सरकार में मंत्री बनने के बाद अब पार्टी को नए अध्यक्ष का चुनाव करना होगा। लोकसभा चुनाव के नतीजे और भाजपा संघ के भीतर बनी असहज स्थिति के बाद इस बात की प्रबल

संभावना है कि नए अध्यक्ष के चयन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। इसके अलावा, भाजपा की नई टीम में भी काफी बदलाव आ सकता है। भाजपा अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया में थोड़ा समय लग सकता है, क्योंकि पार्टी के संगठन चुनाव भी जल्द शुरू होंगे, जिनके पूरा होने में लगभग छह माह का समय लगेगा।

सेक्स स्कैंडल में फंसे प्रज्वल के भाई सूरज भी गिरफ्तार

- जेडीएस कार्यकर्ता ने ही लगाए हैं यौन उत्पीड़न के आरोप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के चर्चित सेक्स स्कैंडल में कर्नाटक पुलिस ने एक और गिरफ्तारी की है। यौन उत्पीड़न के एक मामले में जनता दल (सेक्युलर) के एमएलसी सूरज रेवन्ना को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस ने उनके भाई और यौन अपराध के आरोपी पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को गिरफ्तार किया था। आपको बता दें कि प्रज्वल के भाई पर एक शख्स ने अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का आरोप लगाया है। हासन जिले के होलेनरसिपुरा पुलिस थाने में जेडीएस के एक कार्यकर्ता द्वारा सूरज रेवन्ना के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। कार्यकर्ता ने आरोप लगाया कि सूरज ने 16 जून को उसके फार्महाउस पर उसका यौन उत्पीड़न किया।

सुरक्षाबलों ने नाकाम की उरी में घुसपैठ की कोशिश

- 2 आतंकवादी हो गए ढेर, सेना का सर्च अभियान जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घुसपैठ की ये कोशिश नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास हुई। अधिकारियों ने बताया कि वहां अभी

गोलीबारी जारी है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने उरी सेक्टर के गोहल्लां इलाके में नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। ऐसी खबरे हैं कि सेना ने दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। बारामूला के गोहल्लां उरी सेक्टर में आज तड़के घुसपैठियों की कोशिश को उस समय नाकाम कर दिया गया जब वे सीमा पार से घुसने की फिराक में थे। नियंत्रण रेखा पर तैनात सेना ने जवानों ने घुसपैठियों की संदिग्ध गतिविधि देखते ही उन्हें ललकारा।

पीएम मोदी ने पूरे विश्व में यह स्थापित किया है कि भारत बनेगा विश्व गुरु : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री ने किया कहानी संग्रह 'अंर्तध्वनि' का विमोचन

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने वरिष्ठ कथाकार शीला मिश्रा के कहानी संग्रह 'अंर्तध्वनि' का आज हिंदी भवन भोपाल में विमोचन किया। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि हिंदी के मजबूत बनने से भारत विश्वगुरु बनेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पूरे विश्व में यह स्थापित किया है कि भारत विश्व गुरु बनने योग्य है। जब आजादी के सौ वर्ष पूरे होंगे तब भारत बहुत सारी चीजों में आगे निकल जाएगा। इसके लिए आवश्यक है कि हिंदी को, साहित्य के लेखन को, साहित्यकारों को बढ़ावा दिया जाए। अंतर ध्वनि की छोटी-छोटी कहानी समाज को मार्गदर्शन देती है और व्यक्तियों को आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करती है।

कार्यक्रम का आयोजन मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की ओर से किया गया। स्वागत भाषण डॉ. सुनीता खत्री ने दिया। सुश्री शीला मिश्रा ने पुस्तक के लेखन और प्रकाशन से संबंधित भाव व्यक्त किए। डॉ. कपिल तिवारी ने अंतर ध्वनि की कहानियों के ऊपर अपनी टिप्पणी करते हुए कहा कहानी समाज का आईना होती हैं। निराला पीठ की निदेशक डॉ. साधना बलवटे ने कहानियों की बहुत सूक्ष्म तरीके से समीक्षा की। अध्यक्षता टैगोर विवि के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मेजर जनरल जीडी बक्शी उपस्थित थे। डॉ. संजय सक्सेना ने शहर के सभी साहित्यकार एवं प्रबुद्धजनों का आभार व्यक्त किया।

एम्स भोपाल में विभिन्न नवीन सुविधाओं का उद्घाटन

भोपाल (नप्र)। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव स्वास्थ्य श्री अपूर्व चंद्रा (आईएएस) द्वारा एम्स भोपाल में 22 जून, 2024 को तीन नई सुविधाओं का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर डॉ. जयदीप मिश्रा (आईसीएएस), अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह, कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ, एम्स भोपाल उपस्थित थे । ये तीन नवीन सुविधाएं हैं-

1. दुर्लभ रोगों के लिए उत्कृष्टता केंद्र, एम्स भोपाल
2. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) स्किल लैब
3. मैट्रिक्स असिस्टेड लेजर डिसोर्प्शन आयनाइजेशन-टाइम ऑफ फ्लाइट मास स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री (एमएएलडीआई-टीओएफ एमएस)।

इन सुविधाओं की शुरुआत के साथ, एम्स भोपाल ने न केवल संस्थान में प्रदान की जा रही सेवाओं के दायरे का और विस्तार किया है, बल्कि क्षेत्र के लोगों को अनुकरणीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को भी दोहराया है। इन सुविधाओं का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

दुर्लभ रोगों के लिए उत्कृष्टता केंद्र: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एम्स भोपाल को दुर्लभ रोगों के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में मान्यता दी है, जो मध्य भारत में स्वास्थ्य सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एम्स भोपाल मध्य भारत का पहला ऐसा केंद्र है, जो दुर्लभ रोगों के व्यापक निदान, रोकथाम और उपचार के लिए समर्पित है। एमओएचएफडब्ल्यू ने दुर्लभ रोगों के लिए दवाओं की खरीद के लिए 3 करोड़ और चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए 5 करोड़ का अनुदान स्वीकृत किया है। एम्स भोपाल में दुर्लभ रोगों के लिए सीओई का उद्देश्य मध्य भारत में विशेष स्वास्थ्य सुविधाओं की महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करना है, विशेष रूप से इस क्षेत्र में प्रचलित आनुवंशिक विकारों, जैसे सिकल सेल रोग, थैलेसीमिया और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के लिए। स्थानीय आबादी का लगभग 20 प्रतिशत आदिवासी होने के कारण, इन आनुवंशिक विकारों का एक महत्वपूर्ण बोझ है। यह केंद्र गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और दुर्लभ विकारों से पीड़ित व्यक्तियों सहित विभिन्न लाभार्थियों को लक्षित करेगा, जो प्रति वर्ष लगभग 10,000 व्यक्तियों की जांच और लगभग 1,000 रोगियों के लिए निदान और प्रबंधन प्रदान करेगा।

अरुणाचल में बादल फटा ईटानगर में बाढ़ के हालात

असम में 4 लाख लोग हैं प्रभावित, 37 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में रविवार सुबह 10.30 बजे बादल फटने से बाढ़ जैसे हालात बन गए। अधिकारियों ने बताया कि कई जगहों पर लैंड

- एमपी समेत 11 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी

स्लाइड हुआ। लोगों को वहां न जाने की सलाह दी गई है। वहीं, नेशनल हाईवे-415 पर जलभराव होने से कई वाहन फंसे हुए हैं। प्रदेश में पिछले कुछ हफ्तों से भारी बारिश हो रही है लेकिन पिछले दो

दिनों में स्थिति में सुधार हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं किया गया था। आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब साढ़े दस बजे बादल फटने की घटना के बाद ईटानगर के कई हिस्सों में और उसके आसपास के इलाकों से भूस्खलन की खबरें हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रीय राजमार्ग 415 के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि राज्य की राजधानी के लोगों की जीवनरेखा माने जाने वाले राजमार्ग पर कई वाहन फंसे हुए हैं। जिला प्रशासन ने लोगों से नदियों के किनारे और भूस्खलन के खतरे वाले क्षेत्रों में न जाने को कहा है।

न्यायपालिका के लिए भी मुसीबत बन गई मणिपुर हिंसा

- अब हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल ने भी जताई चिंता

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल ने हिंसा की वजह से न्यायपालिका में पैदा हुई अव्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में हिंसा की वजह से राज्य सरकार कोर्ट के आदेशों का पालन करने में ठीक से सक्षम नहीं है।

इसके अलावा न्यायपालिका की सुरक्षा और इन्फ्रास्ट्रक्चर डिमांड भी पूरी नहीं हो पा रही है। बता दें कि जस्टिस मृदुल 2008 में दिल्ली हाई कोर्ट के जज बने थे। वर्तमान में उनका नाम देश के सीनियर जजों में शामिल है। अक्टूबर 2023 में उन्हें मणिपुर हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया था।

मायावती ने भतीजे आकाश को फिर बनाया उत्तराधिकारी

नेशनल कोऑर्डिनेटर भी बने, पहले कहा था-मैच्योर नहीं हैं

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बसपा प्रमुख मायावती ने लोकसभा चुनाव में पार्टी की करारी हार की समीक्षा के लिए रविवार को अहम बैठक की। बैठक के दौरान मायावती अपने भतीजे आकाश आनंद के सिर पर हाथ रख आशीर्वाद देती नजर आईं। इसके कुछ देर बाद आकाश आनंद की बसपा में फिर वापसी ऐलान हुआ। मायावती ने आकाश आनंद को फिर अपना उत्तराधिकारी बनाया। आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर का पद दिया है। दरअसल, भतीजे आकाश आनंद की रिलांचिंग की तैयारी पहले से चल थी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने समीक्षा बैठक से पहले ही इसका संकेत दे दिया था। मायावती ने बीते दिन शनिवार को भतीजे आकाश आनंद को पंजाब और उत्तराखंड में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए स्टार प्रचारक बनाया है। बसपा नेता आकाश आनंद को स्टार प्रचार की लिस्ट में दूसरे स्थान पर जगह मिली है। आपको बता दें कि

बसपा सुप्रीमो मायावती ने लोकसभा चुनाव के लिए जारी 20 स्टार प्रचारकों की सूची में उन्हें दूसरे नंबर का स्टार प्रचारक बनाया था। स्टार प्रचारक बनाए जाने से चंद महीने पहले मायावती ने उन्हें अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था। लोकसभा चुनाव में आकाश आनंद की सबसे अधिक सभाएं भी यूपी में लगाई गईं, लेकिन सीतापुर में चुनावी सभा के दौरान उनके द्वारा दिए गए विवादित बयान के बाद उनके खिलाफ एफआईआर होते ही मायावती ने आकाश के सभी कार्यक्रमों पर रोक लगा दी थी।

तेज हवाओं के बीच आरएलवी पुष्पक की सफल रही लैंडिंग

- इसरो ने एक बार फिर कर दिया कमाल, चित्रदुर्ग में उतरा विमान

बेंगलुरु (एजेंसी)। इसरो ने एक बार फिर कमाल कर दिया है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने आरएलवी पुष्पक की सफल लैंडिंग कर दी है। इसरो ने रविवार 23 जून को रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल (आरएलवी) की लगातार तीसरी बार लैंडिंग एक्सपेरिमेंट में सफलता हासिल की। इससे पहले 22 मार्च को इसरो ने इसकी दूसरी सफल लैंडिंग की थी। रविवार को लैंडिंग के बाद इसरो ने कहा कि लैंडिंग के लिए काफी मुश्किल परिस्थितियां पैदा की गई थी लेकिन, चुनौतीपूर्ण परिस्थियों में तेज हवाओं के बीच ऑटोमैटिक लैंडिंग कराई गई। जानकारी के अनुसार, इसरो की तरफ से आरएलवी पुष्पक विमान का परीक्षण सुबह 7.10 बजे बेंगलुरु से लगभग 220 किमी दूर चित्रदुर्ग जिले के चल्लाकेरे में एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज (एटीआर) में किया गया था।

कबीर मंदिर चांदबड़ भोपाल में जन्मोत्सव

संत कबीर की महाफूल आरती की, राहगीरों को बांटी गई खीर

भोपाल (नप्र)। संत कबीर के 627वें प्रकटोत्सव पर शनिवार को मध्य प्रदेश सर्व कोरी-कोली कल्याण महासभा ने चांदबड़ स्थित कबीर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। सुबह संत कबीर की महाफूल आरती की गई, तो राहगीरों को खीर का वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महंत राममिलन साहेब मूलगादी बनारस, महासभा के प्रदेश अध्यक्ष नवल किशोर कबीर पंथी एवं जिला अध्यक्ष सुरेश पंथी (कल्लू भैया) की अगवानी में किया गया। अनुयायियों ने पुरानी विधानसभा के सामने स्थित कबीर स्तंभ पर पुष्प अर्पित एवं प्रसाद का वितरण किया।

शाम को भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कबीर के अनुयायी शामिल हुए। कार्यक्रम में सुरेश पंथी (डीएसपी), युवा जिला अध्यक्ष राम किशोर शाक्य, देवेंद्र शाक्य, सुनील शाक्य, संत राम कबीर पंथी, भागचंद खेरोनिया, नंदकिशोर पंथी, रामप्रसाद चदोरिया, आरडी पंथी, हरगोविंद खुरैया, गणेशराम शाक्य, संतराम कबीर पंथी सहित सभी संगठन के पदाधिकारी एवं कबीर पंथी धर्मप्रेमी बंधु उपस्थित रहे।

देशभर में जारी बवाल के बाद सरकार का बड़ा फैसला

अब सीबीआई को सौंपी नीट परीक्षा में गड़बड़ी की जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट (यूजी) पेपर लीक मामले में जारी विवाद के बीच शिक्षा मंत्रालय ने बड़ा फैसला किया है। मंत्रालय ने नीट (यूजी) परीक्षा 2024 में कथित अनियमितताओं का मामला व्यापक जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया है। इससे पहले यूजीसी-नेट एग्जाम की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। जानकारी के अनुसार, छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआई और ईडी जांच की मांग की थी। इस परीक्षा में शामिल हुए 10 छात्रों की ओर से दायर याचिका में बिहार पुलिस को मामले की जांच में तेजी लाने और सुप्रीम कोर्ट के सामने रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देने का आग्रह किया गया है। याचिका में कहा गया है

कि याचिकाकर्ता परीक्षा रद्द होने के परिणामों से पूरी तरह वाकिफ हैं, लेकिन उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। याचिका के अनुसार, 'वर्ष 2024 की नीट-यूजी परीक्षा में कई अन्य अनियमितताएं थीं, खासकर उम्मीदवारों को समय पर प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने में अधिकारियों की ओर से घोर लापरवाही बरती गयी।' याचिका में कहा गया है, 'कुछ जगहों पर प्रश्नपत्रों का गलत सेट वितरित किया गया और बाद में वापस मांग लिया गया।' सुप्रीम कोर्ट नीट परीक्षा आयोजित करने में कथित अनियमितताओं पर बढ़ते आक्रोश के बीच पहले केंद्र, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और अन्य से कई याचिकाओं पर जवाब मांगा था, जिनमें नीट-यूजी 2024 परीक्षा को रद्द करने और अदालत की निगरानी में जांच संबंधी याचिकाएं शामिल थीं। शीर्ष अदालत ने विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित इसी तरह की याचिकाओं पर आगे की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी थी। हालांकि, अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया था कि वह काउंसलिंग प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाएगी। परीक्षा पांच मई को 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी।

भले बिजली, सड़क न हो, फिर भी कांग्रेस को वोट देते हैं मुस्लिम

- अल्पसंख्यकों को लेकर फिर हमलावर हुए असम के सीएम हिमंता

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को मुसलमानों के खिलाफ एक बार फिर जहर उगला है। उन्होंने दावा किया है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में बांग्लादेश मूल के अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने कांग्रेस को भारी संख्या में वोट दिया है। उन्होंने कहा है कि इन लोगों ने केंद्र और राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों द्वारा उनके लिए किए गए विकास कार्यों को अनदेखा किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह असम का एकमात्र समुदाय है जो सांप्रदायिकता में लिप्त है। बीजेपी के असम मुख्यालय में विजयी उम्मीदवारों के स्वागत समारोह में बोलते हुए हिमंत सरमा ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन को लगभग 47 प्रतिशत वोट मिले, जबकि कांग्रेस और उसके सहयोगियों को 39 प्रतिशत वोट मिले।

सात माह की बेटी के साथ मायके गई पत्नी

● पति ने फांसी लगाई, चाचा उठाने पहुंचे तो फंदे पर लटक रहा था

इंदौर (नप्र)। इंदौर के अहीरखेड़ी में रहने वाले एक पति ने फांसी लगाकर जान दे दी। उसकी पत्नी तीन दिन से मायके में थी। रविवार सुबह चाचा उठाने कमरे पर पहुंचे तो वह फंदे पर लटके मिला। पुलिस के मुताबिक अहीरखेड़ी कांकड में रहने वाले अंचल पुत्र मेवालाल नायक ने आत्महत्या कर ली। परिवार ने बताया कि सुबह उसके चाचा बद्रीलाल कमरे पर पहुंचे तो वह फंदे पर लटक रहा था। परिवार के लोगों ने बताया कि अंचल मिस्त्री का काम करता था। उसके परिवार में पत्नी काजल और सात माह की बेटी है। तीन दिन से पत्नी काजल अपने मायके द्वारकापुरी में थी। परिवार को आशंका है कि दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई होगी। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

तीन हादसों में तीन की मौत

एक को एमवाय में समय पर नहीं मिला उपचार

इंदौर (नप्र)। इंदौर में तीन अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। आजाद नगर इलाके के नेमावर रोड ब्रिज पर दिनेश (45) पुत्र बालू निवासी मोरखेड़ी खंडवा हादसे का शिकार हो गया। उसे शनिवार रात 10 बजे उपचार के लिये एम्बुलेंस से एमवाय अस्पताल पहुंचे। रविवार अलसुबह दिनेश ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। एक अन्य घटना में जितेन्द्र (35) पुत्र गब्बूलाल निवासी बड़े गांव को कनाड़िया ब्रिज के यहां शनिवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। उन्हें उपचार के लिये एमवाय लेकर पहुंचे। यहां रात 11 बजे उसकी मौत हो गई। तीसरी घटना तेजाजी नगर ब्रिज पर हुई। यहां दीपक (22) निवासी धामनोद धार को घायल अवस्था में रविवार अलसुबह एमवाय लेकर आए। यहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक दीपक के परिवार की जानकारी नहीं मिल पाई है। बताया जा रहा है कि दीपक को ओपीडी में समय पर उपचार नहीं मिला। करीब दो घंटे तक पुलिस को भी हादसे की जानकारी नहीं दी गई।

इंदौर एयरपोर्ट पर रातभर परेशान होते रहे यात्री

● इंडिगो की इंदौर से दिल्ली की उड़ान 6 घंटे लेट होने पर यात्री हुए परेशान

इंदौर (नप्र)। इंदौर एयरपोर्ट से इंडिगो की उड़ान से दिल्ली जाने वाले यात्रियों को शुक्रवार रात एयरपोर्ट पर ही गुजारनी पड़ी। इंडिगो की इंदौर से दिल्ली जाने वाली फ्लाईट रात 10.40 बजे जाने की बजाए सुबह 4.30 बजे रवाना हुई। फ्लाइट के लेट होने से यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा किया। एयरपोर्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इंडिगो की रात 9.55 बजे दिल्ली से इंदौर आकर 10.40 बजे वापस दिल्ली जाने वाली फ्लाईट 6E2208/2019 अपने तय समय से देरी से सुबह 3.50 बजे दिल्ली से इंदौर पहुंची। जिसके बाद यह सुबह 4.30 बजे इंदौर से दिल्ली के लिए रवाना हुई। बताया जा रहा है कि इंडिगो की तरह ही एलायंस एयर की दिल्ली से शाम 7.40 बजे इंदौर आकर 8.05 बजे वापस जाने वाली फ्लाइट भी 6 घंटे देरी से इंदौर आई आई और दिल्ली के लिए रवाना हुई।

एमपीपीएससी-2024 प्री एग्जाम 1.5 लाख से ज्यादा कैंडिटेट ने दिया

● 110 पदों के लिए परीक्षा; अभ्यर्थी बोले- पहला पेपर ईजी टू मॉडरेट रहा

इंदौर (नप्र)। मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग की राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 रविवार को दो शिफ्ट में हुई। पहला पेपर सामान्य अध्ययन का सुबह 10 बजे से 12 बजे तक हुआ। दूसरा पेपर सामान्य अभिरुचि परीक्षण का है। यह दोपहर 2.15 बजे से शुरू होकर शाम 4.15 बजे तक चला। यह एग्जाम 110 पदों के लिए है। इसके लिए 1.83 लाख

उम्मीदवार ने आवेदन किया था। डेढ़ लाख से ज्यादा कैंडिडेट इसमें शामिल हुए। पहला पेपर देकर निकले ज्यादातर छात्रों ने कहा के पेपर सरल रहा। उन्हें उम्मीद है कि वे अच्छे अंकों से पास होंगे। परीक्षा की मॉनिटरिंग और शंका समाधान के लिए प्रदेशभर में 27 सीनियर रिटायर्ड अधिकारियों को ऑब्जर्वर बनाया गया था। इधर, एमपीपीएससी पेपर लीक की आशंका पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं करेगी। कानून व्यवस्था का पालन किया जाएगा। इससे पहले सुबह सभी परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थी तय समय पर पहुंचे। जहां चैकिंग के बाद उन्हें एग्जाम हॉल में प्रवेश दिया गया। उनसे जूते-मोजे उतरवाए गए। लड़कियों से कान की बाली, हाथ के कंगन-चूड़ी जबकि लड़कों से हाथ का कलावा भी निकवाए गए हैं।

फंदा लगाकर गला घोंटा, चाकू से किए शव के टुकड़े

इंदौर में ट्रेन में मिली थी महिला की कटी लाश, हत्यारे की पत्नी ने खोला राज

इंदौर (नप्र)। इंदौर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में 8 जून की सुबह जिस महिला का टुकड़ों में शव मिला। उसके हत्यारे की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया गया है। महिला रतलाम के पास मऊ गांव की रहने वाली थी। जबकि हत्यारा उज्जैन का रहने वाला है। खास बात यह है कि हत्याकांड का खुलासा करने में आरोपी की दिव्यांग (मूक बधिर) पत्नी ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस को उसी ने बताया कि उसके पति ने कैसे महिला का गला दबाया, फिर चाकू से शव के टुकड़े किए। पुलिस ने बताया कि गुरुवार 6 जून को मृतक महिला मीरा बेन रतलाम जिले के बिलपांक थाना क्षेत्र से लापता हुई थी। वह पति से विवाद के बाद कपड़े लेकर घर से निकल गई थी। उसने पति और बेटियों से कहा था कि वह उज्जैन और वहां से मथुरा जाएगी।

रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रही महिला से मिला आरोपी

मथुरा जाने के लिए मीरा बेन उज्जैन आ गई। वह यहां मथुरा जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रही थी। तभी आरोपी कमलेश पिता रामप्रकाश कुर्मी ने उसे देखा और बातचीत की। महिला ने कमलेश को अपनी बात बताई तो उसने कहा कि मथुरा की ट्रेन निकल चुकी है। तुम मेरे घर चलो वहां खाना खा लेना। इसके बाद दूसरी ट्रेन में बैठा दूंगा।

खाने में नशे की गोलियां दीं, बेहोश होने पर जबरदस्ती करने लगा

कमलेश का घर रेलवे ट्रैक के किनारे बस्ती में है। कमलेश ने महिला को रातभर अपने घर में रखा। फिर शुक्रवार 7 जून की सुबह खाने में नशे की गोलियां दे दीं। इसके बाद वह मीरा बेन से जबरदस्ती करने लगा। लेकिन मीरा बेन पूरी तरह बेहोश नहीं हुई थी, इसलिए उसने कमलेश का विरोध किया। इसके चलते दोनों में हाथापाई हुई। तब कमलेश ने लोहे के टुकड़े से मीरा बेन के चेहरे पर वार किया।

फंदा लगाकर गला घोंटा, बाजार से चाकू लाकर शव के टुकड़े किए: चेहरे पर वार के बाद मीरा बेन बेहोश हो गई। तब आरोपी कमलेश को लगा कि महिला की मौत हो गई है। इसलिए उसने मौत को पूरी तरह कंफर्म करने के लिए रस्सी का फंदा बनाकर उसका गला घोंट दिया। मीरा बेन के शव को ठिकाने लगाने के लिए कमलेश बाजार से एक बड़ा चाकू खरीदकर लाया और उससे मीरा बेन के शव के टुकड़े किए।

ट्रेन में चढ़ाए शव के टुकड़े, घर आकर नहाया और कपड़े साफ किए

सुबह 10 बजे जब इंदौर-महू डेमू ट्रेन सी केबिन के यहां रुकी तो कमलेश ने बैग में रखे शव के टुकड़ों को ट्रेन में चढ़ा दिया। इस बीच ट्रेन चल दी। लेकिन एक बैग वहीं छूट गया। कमलेश ने उसी दिन शाम को योग नगरी एक्सप्रेस में दूसरे बैग में रखे टुकड़े चढ़ा दिए। वहां से लौटकर वह नहाया और कपड़े साफ किए। इसके बाद अपने कामकाज में लग गया। आरोपी कमलेश यूपी के ललितपुर का रहने वाला है। वह उज्जैन में 15 साल से रह रहा है। पिछले सिंहस्थ में उज्जैन आकर मजदूरी कर रहा है। वह चोरी के मामले में तीन से चार बार पकड़ा चुका है। आरोपी कमलेश ने मीरा बेन के मोबाइल में अपनी सिम डाली थी।

मंत्री विजयवर्गीय बोले- जनता, जनप्रतिनिधि के सुझाव पर होगी मेट्रो लाइन

अधिकारियों ने कैसा भी प्लान बनाया हो कोई फर्क नहीं पड़ता

इंदौर (नप्र)। इंदौर में मेट्रो रुट को लेकर चल रही कवायद पर रविवार को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि अधिकारियों ने कैसा भी प्लान बनाया हो कोई फर्क नहीं पड़ता, जनप्रतिनिधि, जनता जैसे चाहेगी वैसे ही मेट्रो लाइन डलेगी अभी इसके सुझावों पर काम कर रहे हैं। यह बात विजयवर्गीय ने रविवार को एआईसीटीएसएल में 51 लाख पौधरोपण की विभिन्न संगठनों की बैठक के बाद मीडिया से कही। पिछले दिनों उन्होंने मेट्रो के सुझावों को लेकर एक बड़ी बैठक ली थी। उन्होंने कि अधिकारियों के सोचने का तरीका और जनता व जनप्रतिनिधियों के सोचने का तरीका अलग और व्यावहारिक होता है। हम वही काम करेंगे जो जनहित में होगा और इंदौर के लिए होगा। सिंहस्थ से पहले इंदौर से उज्जैन तक मेट्रो चलना यह हमारे लिए चुनौती है। हम इसकी तैयारी कर रहे हैं और हर माह समीक्षा करेंगे।

हम लोगों ने सीमेंट का जंगल बना दिया, अब जब जागे तब सवेरा: 51 लाख पौधरोपण मिशन को लेकर उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जैसा शहर हमें दिया था, वैसा नहीं बचा। हम आने वाली पीढ़ी को ऐसा शहर देकर जाए कि वो सुखी रहे, खुश रहे और स्वस्थ रहे। इस मिशन में लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। आज की बैठक में तीन सौ से ज्यादा डॉक्टर्स शामिल थे। कई समाज हिस्सेदारी कर रहे हैं। इंदौर हमेशा प्रेरणा का केंद्र रहा है। अभियान में बच्चों को भी जोड़कर उन्हें संस्कार दे रहे हैं। अभी यहां ग क्लीन सिटी देखने आते हैं अब ग्रीन सिटी देखने आएंगे। सालों पहले पूरा शहर वाटर बॉडीज और पेड़ों से घिरा था। हम लोगों ने सीमेंट का जंगल बना दिया। अब जब जागे तब सवेरा। हम हरित क्रांति के माध्यम से इसे हरा भरा बनाएंगे।

नए जिला कोर्ट को लेकर फर्जी डॉक्यूमेंट लगाए

● आरकॉन पावर इंफ्रा इंडिया प्रायवेट लिमिटेड के दो डॉयरेक्टरों सहित तीन पर केस

इंदौर (नप्र)। इंदौर की पलासिया पुलिस ने निर्माणाधीन जिला कोर्ट बिल्डिंग को लेकर धोखाधड़ी, आईटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। निर्माण कर रही कंपनी पर समय पर काम पूरा नहीं करने और फर्जी दस्तावेज लगाने का आरोप है। पलासिया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पीडब्ल्यूडी विभाग ने डीसीपी जोन 3 से एक शिकायत की है। इसमें जांच के बाद आरकॉन पावर इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सुधीर कुमार पाराशर, कपिल शर्मा और पॉवर ऑफ अटर्नी अल्पेश भानुप्रसाद सोलंकी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पीडब्ल्यूडी विभाग ने अगस्त 2023 में ऑनलाइन आवेदन इस न्यायालय की बिल्डिंग बनाने की लिए जारी की थी। दिसंबर 2023 में इन निविदाओं को लेकर शिकायत मिलने पर जांच की गई।

इस मामले में गौरव चतुर्वेदी ने कई तरह की प्रमाणित प्रतियों के साथ शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने मामले में जांच की तो उसे सही पाया गया। इस शिकायत में बताया गया कि तय समय पर कंपनी ने काम पूरा नहीं किया। जिसमें लागत बढ़ने के साथ लाभ पाने के उद्देश्य से पूरा काम किया गया। इस मामले में जांच के बाद पूरा मामला सही पाया और कंपनी के डायरेक्टर और अन्य लोगों पर कार्रवाई की है।

इंदौर में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

तीन दिनों तक 3600 बूथों पर देंगे खुराक; पहले दिन कई बच्चों को पिलाई गई

इंदौर (नप्र)। बच्चों को डबल सुरक्षा देने के लिए प्रदेश में 5 वर्ष तक के बच्चों को, दो बूंद जिन्दगी की देने के तहत राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत हुई। इंदौर में रविवार को सांसद शंकर लालवानी और विधायक गोलू शुक्ला के आतिथ्य में अभियान की शुरुआत हुई। यह अभियान 25 जून तक चलेगा। इंदौर में 5 लाख से ज्यादा ऐसे बच्चे हैं जिन्हें पोलियो की खुराक पिलाई जानी है। इसके लिए जिले में 3600 से अधिक बूथों के अलावा मोबाइल टीम और 8 हजार कर्मचारी इसमें जुटे हैं। सीएमएचओ डॉ. बीएस सेतिया ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग बस्तियों, निर्माण क्षेत्रों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड पर भी बूथ लगाए हैं ताकि कोई बच्चा खुराक से न छूटे।

मंत्री विजयवर्गीय के करीबी और भाजपा युवा मोर्चा के नगर उपाध्यक्ष मोनू कल्याणे की गोली मारकर हत्या

समर्थकों ने आरोपियों के घर में घुसकर तोड़फोड़ और आगजनी की

इंदौर (नप्र)। इंदौर में भाजपा युवा मोर्चा के नगर उपाध्यक्ष मोनू कल्याणे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसे मध्य प्रदेश सरकार के शहरी विकास और आवास मंत्री मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का करीबी माना जाता थे।

वारदात शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे एमजी रोड इलाके की है। पुलिस ने बताया कि चिमनबाग चौराहे पर मोनू पुत्र राजेन्द्र कल्याणे को गोली मारी गई। हत्याकांड में पीयूष और अर्जुन का नाम सामने आया है। पुरानी रंजिश में आरोपियों ने मोनू पर एक से ज्यादा फायर किए थे। मौके पर मौजूद साथी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। एडिशनल डीसीपी राम स्नेही मिश्रा ने कहा- मोनू रविवार शाम करीब 5 बजे भगवा रैली निकालने वाला था। इसके लिए इलाके में बैनर-पोस्टर लगाए गए थे। देर रात को भी मोनू अपनी टीम के साथ बैनर-पोस्टर लगा रहा था। इसी दौरान उस पर हमला किया गया। आरोपियों के ठिकानों पर दबिश देकर तलाश की जा रही है। इधर मोनू की हत्या की जानकारी मिलने के बाद पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय और दूसरे भाजपा नेता रात में ही उसके घर पहुंचे। मोनू के समर्थकों ने आरोपियों के घर में घुसकर तोड़फोड़ और आगजनी की।

भगवा यात्रा के बारे में पूछा और मार दी गोली: मोनू कल्याणे हर साल इलाके में भगवा यात्रा निकालता था। शनिवार रात को साथियों के

साथ इसी की तैयारी में लगा था। इसी बीच पीयूष और अर्जुन बाइक से वहां पहुंचे। उन्होंने मोनू से पूछा- रैली का समय क्या है? कितने लड़के लेकर आना है? इसी दौरान बाइक पर पीछे बैठे अर्जुन ने पिस्टल निकाली और मोनू पर दो फायर कर दिए। एक फायर नजदीक खड़े दोस्तों को देखते हुए हवा में किया। गोली लगते ही मोनू नीचे गिर गया।

पार्टी में मोनू के बढ़ते कद की वजह से रंजिश रखते थे आरोपी

पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी पीयूष और अर्जुन उषा फाटक इलाके के रहने वाले हैं। मोनू भी इनके पड़ोस में ही रहता था। वे भाजपा में मोनू के बढ़ते कद से रंजिश पाले हुए थे। दोनों आरोपियों पर कई थानों में केस दर्ज हैं। मोनू के परिवार में बड़े भाई सोनू, माता-पिता, पत्नी और दो बच्चे हैं।

आरोपियों के घर में तोड़फोड़ का वीडियो वायरल

मोनू की हत्या के बाद उसके समर्थकों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल किया। इसमें लिखा है- बदला अभी बाकी है। इस वीडियो में दिख रहा है कि मोनू के समर्थक आरोपियों के घर के अंदर घुसे और तोड़फोड़ की। यहां रखे सामान में आग भी लगा दी। इस दौरान आरोपियों के परिजन घर पर नहीं थे।

मंत्री विजयवर्गीय बोले- इंदौर में लॉ एंड ऑर्डर बढ़िया, यहां गैंगवार नहीं होती

मामले में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, एक पड़ोसी ने दूसरे पड़ोसी की हत्या की है। इसमें पुलिस क्या कर सकती है? दोनों के बीच के झगड़ों की जानकारी मुझे नहीं है। यहां लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बढ़िया है। 10-20 मर्डर हुए हों, ऐसा कहीं नहीं है। कोई गैंगवार चल रहा हो, ऐसा तो कहीं नहीं है शहर में। मोनू पार्टी का बहुत अच्छा कार्यकर्ता था।

सुपर कॉरिडोर बना क्राइम कॉरिडोर

11 किमी में 3 थाने, हर माह 30 से ज्यादा लूट-चोरी, रात में इस रूट पर जाने से बचते हैं लोग

इंदौर (नप्र)। सुपर कॉरिडोर अब क्राइम कॉरिडोर बन चुका है। यहां देश की तीन नामी आईटी कंपनियां, कॉलेज और आसपास की 40 से ज्यादा कॉलोनियों के लोगों की आवाजाही है। तीन थानों की सीमा आती है, लेकिन सुरक्षा नहीं है। इसलिए लूट, चोरी और एक्सीडेंट लगभग हर दिन हो रहे। गांधी नगर चौराहे से लवकुश चौराहे के 11 किमी के रूट पर अंधेरा होते ही ज्यादातर लोगों ने निकलना बंद कर दिया है। कारण यह कि रात में पुलिस की जगह ज्यादातर बाइक सवार लुटेरे, नशेड़ी और बदमाश घूमते रहते हैं। शहर के एक बड़े इलाके को एयरपोर्ट से सीधे कनेक्ट करने वाली सड़क पर पुलिस ने आज तक कैमरे नहीं लगाए। यहां मेट्रो के निर्माण के कारण आधे से ज्यादा रूट को सर्विस रोड पर डायवर्ट कर रखा है। कुछ हिस्सों में रात में अंधेरा रहता है। सर्विस रोड भी कुछ स्थानों पर जर्जर है। डायवर्शन के पॉइंट पर मार्किंग नहीं है। स्पीड ब्रेकर भी तय मापदंड से नहीं बने हैं।

जोन-1 के दोनों थानों में अकसर

उलझती है जनता: लवकुश चौराहे से रेलवे ओवर ब्रिज तक का हिस्सा बाणगंगा थाने में आता है। इसके बाद एरोड्रम और गांधीनगर थाने की सीमाएं लगती हैं, जो जोन-1 के अंतर्गत आती हैं। सबसे ज्यादा जनता को ये दो ही थाने वाले उलझाते हैं और अपनी सीमा न होने का हवाला देते हैं।

लूट को भी चोरी बता दिया

बीटेक छात्र नैतिक ने बताया रात 8.30 बजे साइकिल से दोस्त को किताब देकर लौट रहा था। बोहरा कॉलोनी के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने चाकू अड़ाकर मोबाइल छीन लिया। पुलिस ने लूट की जगह चोरी की रिपोर्ट लिखी।

ममता शर्मा ने बताया 21 जुलाई 2019 की रात बदमाशों ने पर्स लूटा। मुझे एक्टिवा से गिरा दिया। दो दिन तक बाणगंगा और एरोड्रम थानों पर भटकते रहे। अब मुझे इस रूट पर रात 8 बजे बाद जाने से डर लगता है।

संजीव द्विवेदी ने बताया मेरी कंपनी के हवाले मेट्रो प्रोजेक्ट के सामान की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। गांधी नगर से विजय नगर तक के बीच में हमारे प्रोजेक्ट में बैटरी, प्लेट समेत कई सामान चोरी हुआ, पर रिपोर्ट नहीं लिखी।

जल्द ही नया थाना खुलेगा

सुपर कॉरिडोर पर हमारा एक थाना प्रस्तावित है। इसके पहले हम अस्थायी चौकी खोलने की कोशिश करेंगे। लूट की घटना में चोरी का केस दर्ज हुआ है तो ये मामला मैं दिखवाता हूं। जहां तक पुलिस पेट्रोलिंग की बात है, तो अभी मूवमेंट कम हो सकता है, क्योंकि हमारे पास संसाधनों की कमी है।

संपादकीय

सवाल नैतिक ईमानदारी का है

देश में नीट व एनटीए द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं के पेपर लीक होने के मामले में अब सख्त एक्शन लेना शुरू कर दिया है। साथ ही पूरे घोटाले की जांच सीबीआई को सौंप दी है। उधर देश में कठोर पेपर लीक कानून भी लागू कर दिया गया है। भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो, इसको लेकर एक उच्च स्तरीय कमेटी भी गठित कर दी है। इस कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर एनटीए जैसी संस्थाओं के काम काम व संरचना में सुधार किया जाएगा। मकसद यही है कि ऐसी गड़बड़ियां आगे न हों। इन कदमों से लगता है कि सरकार इस पूरे मामले को लेकर बेहद चिंतित है। लेकिन असली सवाल फिर भी बाकी है कि इन संस्थाओं की पवित्रता कैसे कायम रहे तथा लोगो और खासकर परीक्षार्थियों का विश्वास परीक्षाओं पर कैसे बना रहे। सवाल तो यह भी उठ रहा है कि हमेशा की तरह प्रधानमंत्री इस महा घोटाले पर भी अभी कुछ नहीं बोले हैं। अगर छात्रों के साथ परीक्षा पर चर्चा कर सकते हैं तो पेपरलीक के मामले में वो छात्रों के मन की बात क्यों नहीं जानना चाहते? इस पूरे मामले में लगता है कि सरकार ने सारा जिम्मा केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के भरोसे छोड़ दिया है। धर्मेन्द्रजी एक खास रणनीति के तहत विपक्ष के हमलों का कोई राजनीतिक जवाब यह कहकर नहीं दे रहे हैं कि इससे उन छात्रों का नुकसान हो सकता है, जिन्होंने पूरी मेहनत के साथ परीक्षा दी है। दरअसल इस पूरे मामले में मोदी सरकार बुरी तरह फंस चुकी है। एनटीए का गठन भी मोदी सरकार 1.0 में हुआ था। लेकिन यह संस्था शुरू से ही संदेह और विवादों के घेरे में रही है। पेपरलीक और दूसरी गड़बड़ियां तो हर साल सुनने में आ रही थीं, लेकिन एनटीए ने उसमें सुधार का कोई ठोस प्रयास किया हो, ऐसा नहीं लगता। इस ढील पोल का नतीजा यह रहा कि समूचे संस्था में शिक्षा माफिया के गहरी घुसपैठ कर ली है। पैसे का खेल ऊपर से नीचे तक चल रहा है। बिहार, झारखंड और गुजरात पुलिस द्वारा पेपर लीक के मामले की जांच में यह बात खुलकर सामने आ गई है। पेपरलीक माफिया का जाल पूरे देश में फैला है और हर स्तर पर उनके आदमी बैठे हुए हैं। आप किस किस को रोकोगे? ऑन लाइन परीक्षाओं का सबसे बड़ा दुष्परिणाम है। इस बार यूजीसी नेट का एक पर्चा तो डार्क नेट पर पाया गया। इसमें कॉलेज के एक प्रोफेसर की भूमिका भी सामने आई है। यानी शिक्षा संस्थानों के रक्षक ही अब भक्षक बन गए हैं। यह सारा कारोबार कहीं न कहीं राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण के बगैर संभव ही नहीं है। यह गोरखधंधा सर्वाधिक मेडिकल शिक्षा में है। क्योंकि माना जाता है कि एक बार एमबीबीएस की डिग्री लेने के बाद कमाई के द्वार खुल जाते हैं। ऐसे में लोग मेडिकल की डिग्री हासिल करने के लिए कुछ भी कीमत चुकाने को तैयार हैं। लेकिन इस फर्जीवाड़े की कीमत पूरे देश को चुकानी होती है। फर्जी तरीके से मेडिकल की डिग्री हासिल करने वाले भविष्य कैसे डॉक्टर बनेंगे और मरीजों का किस तरह से इलाज करेंगे, यह सोचकर ही सिहरन पैदा होती है। यहा असली सवाल नैतिक ईमानदारी का है। अगर इस समूची परीक्षा प्रक्रिया में शामिल लोग ही बेईमान होंगे, भ्रष्टाचार में लिप्त होंगे तो कोई भी परीक्षा पवित्र रह ही नहीं पाएगी। इसके बावजूद सरकार को चाहिए कि वह सख्ती के साथ परीक्षा माफिया पर लगाम लगाए ताकि देश लाखों बच्चों के सपनों पर पानी न फिरे और भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनामी न हो।

नजरिया

रघु ठाकुर

वी.आई.पी. कल्चर: क्या निर्वाचित राजतंत्र है?

हमारे देश में जो वीआईपी कल्चर चल रहा है उसका सबसे बड़ा शिकार आम आदमी होता है। इस वीआईपी कल्चर के सूत्र अगर अतीत में खोजे जायें तो वे राजतंत्र में मिलते हैं। अमूमन या कम से कम साल में एक बार या कभी यदा कदा किसी त्यौहार आदि के पर्व पर राजाओं की सवारी निकलती थी और सारी जनता उनके दर्शन करने को बाध्य होती थी। यही परंपरा नवाबी कालों में भी जारी रही और भारत जब ब्रिटिश उपनिवेश बना तो फिर इन शासकों का व्यवहार भारत में या अन्य उपनिवेशों में राजशाही जैसा ही रहा। ब्रिटेन में सम्राज्ञी तो महारानी थी, पर भारत में गवर्नर जनरल जैसे पदों पर बड़े नौकरशाह थे। उनकी भी राजाओं के समान सवारियां निकलती थी तथा सुरक्षा के नाम पर बहुत खर्च होता था। महात्मा गांधी ने तो ब्रिटिश वायसराय की सुरक्षा को लेकर उनसे सीधे प्रश्न किया था और बाद में उन्हें लिखा कि भारत जैसे गरीब देश का इतना पैसा अगर एक व्यक्ति की सुरक्षा पर खर्च होता है तो मैं ईश्वर से प्रार्थना करूंगा कि ऐसे असुरक्षित व्यक्तियों की मृत्यु हो जाए, ताकि गरीबों का पैसा बच जाए। उस समय कुछ लोगों ने गांधी की इस प्रतिक्रिया पर विपरीत टिप्पणियां की थी और यह भी कहा था कि गांधी को इतनी कटु टिप्पणी नहीं करनी चाहिये। कुछ लोगों ने महात्मा गांधी की अहिंसा पर प्रश्न उठाने का प्रयास किया तथा इस टिप्पणी को गांधी की अहिंसा के खिलाफ माना, पर बापू ने न अपने कथन को वापिस लिया न खेद व्यक्त किया और न विशेष सफाई दी। क्योंकि महात्मा गांधी की नजरों में सुरक्षा लेना ही अपने आप में अनैतिक व अनुचित था। उन्होंने खुद भी कभी सुरक्षा नहीं ली और यहां तक कि 5 बार हमले हो जाने के बाद भी, गंभीर जान के खतरे के बाद भी, उन्होंने सुरक्षा लेने से इंकार किया तथा अंततरू हत्यारों ने उनकी हत्या कर दी। अपने सिद्धांतों के लिये अपने जीवन का बलिदान करना यह बापू का आदर्श था।

परंतु आजादी के बाद भारत के शासकों ने महात्मा गांधी की शहादत के इस सिद्धांत को भुला दिया और लोकतांत्रिक प्रणाली से चुने हुये शासकों ने राजतंत्रीय मानस में अपने आपको बदल लिया। सुरक्षा के नाम पर अब स्थिति इतनी बदतर हो चुकी है कि केंद्र से लेकर जिला स्तर और यहां तक कि जनपद पंचायत अध्यक्ष तक अपने साथ एक दो सुरक्षा प्रहरी लेकर चलते हैं। जिसका खर्च सरकार उठाती है और एक अर्थ में अंततरू जनता को इसका बोझ सहना पड़ता है। ये सम्मानीय सुरक्षाकर्मी पाने के लिये निवेदन से लेकर झगड़ा तक करते हैं। कई बार तो ऐसा लगता है कि जैसे जनता ने इन प्रतिनिधियों को चुनकर कोई अपराध किया है क्योंकि कहने को तो यह जनप्रतिनिधि होते हैं और सेवा के लिये चुने जाते हैं, परंतु इन्हें वेतन भत्ते के साथ पेंशन की भी दरकार है और सुरक्षा भी चाहिए। आज छोटा हो या बड़ा, हर जनप्रतिनिधि आम जनता के ऊपर भारी बोझ बन गया है।

जिस स्थान पर प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति का दौरा होता है या गृहमंत्री या मुख्यमंत्री का दौरा होता है वहां पर दो-दो, तीन-तीन दिन पहले से जनजीवन बंदियों जैसा हो जाता है। दो-तीन दिन पूर्व से उनके कारकेड (कारों का काफिला), का परीक्षण होता है। जहां उनकी सभा होना है उसे, सुरक्षा जांच के नाम पर घेर लिया जाता है। बूटधारी पुलिस और सुरक्षा के विशेष प्रशिक्षित कुत्ते घरों में, रसोईयों में और यहां तक कि धार्मिक स्थलों में पूरा विचरण करते हैं और हर चीज सूँघते हैं। आगमन या कायक्रम के दिन सड़कें बंद कर दी जाती हैं और दिन-दिन भर के जाम लग जाते हैं। हजारों कर्मचारी, मजदूर, वाहन वाले लोग जाम में फँसे रहते हैं। कई बार तो गंभीर बीमार आमजन आवागमन रोक दिये जाने की वजह से मौत के शिकार हो जाते हैं। ऐसी कितनी घटनायें मेरी भी जानकारी में हैं और आप सबकी जानकारी में भी होगी। क्या यह लोकतंत्र है? या राजतंत्र की ही फूहड़ प्रति है।

विशिष्ट होने का मतलब अब ऐसा अपराधी मानस जैसा व्यक्ति हो गया है जो अत्याधिक भयभीत है, घिरा हुआ है और अपनी जान की सुरक्षा के नाम पर आम समाज को असुरक्षित बनाता है। अपने भविष्य को ध्यान में रखकर हर पद वाला कुछ विशेष सुविधाओं को ले रहा है और इसके लिये बाकायदा लोकतंत्र की संस्था लोकसभा या विधानसभाओं में कानून पारित किये गये हैं। पूर्व मुख्यमंत्री को राज्य की राजधानी में बंगला, स्टाफ सुरक्षा और रेल भाड़े के अलावा कार व पेट्रोल गाड़ी गरीब जनता की जेब से पैसे निकालकर दी जाती है। पूर्व सांसदों को आजीवन चिकित्सा व रेल के फ्री पास उन्हें परिवार के साथ मिलते हैं। पूर्व विधायकों को पास के स्थान पर नगद वाले कूपन दिये जाते हैं और वे भी कितने ही लोगों को लेकर यात्रा कर सकते हैं। रेलमंत्री जब पूर्व हो जाता है तो उसे एक गोल्डन सिक्के जैसा टोकन दिया जाता है, जिसे दिखाकर वह एसी, (प्रथम श्रेणी) में यात्रा कर सकता है। पूर्व सांसद व विधायकों को पेंशन की व्यवस्था है और नौकरशाही तथा न्यायपालिका के माननीय न्यायाधीशों को भी अपने कार्यकाल के बाद अनेक सुविधाओं का लाभ मिलता है।

सड़कों पर यातायात जाम होना अब केवल नये राजाओं के द्वारा ही नहीं होता है। बल्कि पिछले कुछ दिनों से धर्म के नाम पर जो बेरोकटोक जुलूस-जलसे होने लगे हैं, धार्मिक आयोजनों के नाम पर सरकारों व तंत्र की मूक सहमति के द्वारा जो धर्म सभाएं होती है शायद ही कोई शहर बचा हो जहाँ साल के 365 दिनों में से 50-60 दिन कोई न कोई सड़कें बंद न रहती हों। बीच सड़कों पर जो धार्मिक स्थल दशकों पहले बना दिये गये थे अभी भी यथावत हैं। और कितनी ही कठिनाई यातायात की क्यों न हो, पर सड़कों पर से धार्मिक स्थलों को हटाना अब सरकारों का उद्देश्य नहीं है और न उनमें यह साहस है। भारत के उच्चतम न्यायालय व अन्य उच्च न्यायालयों ने कई बार निर्णय दिये, सड़कों पर से धार्मिक स्थलों को हटाने को कहा, पर जब मतदाता ही धर्मांध है तो सत्ता पिपासु अपनी कुर्सी को जोखिम में क्यों डाले? देश की राजधानी के नई दिल्ली स्टेशन पर आज आजादी के लगभग 77 वर्ष के बाद भी बीच रेल लाइनों में धार्मिक स्थल बने हुये हैं और कोई भी सरकार चाहे वह तथाकथित धर्म निरपेक्ष हो या गैर धर्म निरपेक्ष उन्हें हटाने की हिम्मत नहीं करती। गाड़ियों की गति, धीमी होती है, आने जाने में विलंब होता है पर धार्मिक स्थल यथावत हैं।

इस जाम के लगने से कितना पेट्रोल, डीजल व्यर्थ खर्च होता है, धुएं से कितना प्रदूषण फैलता है, इसकी चिंता मतदाता, सत्ता जनप्रतिनिधि और न्यायपालिका को भी नहीं है। सभी ने अपने-अपने धड़े की सुरक्षा के लिये उपाय कर लिये हैं। शीर्ष के सत्ताधीशों के निकलने पर रूट लगाया जाता है और विशेष पुलिस फोर्स लगाकर इन वीआईपी नाम के बड़ी लागत खर्च के सज्जनों को निकाल दिया जाता है। अब तो उसके लिये हेलिकाप्टर का चलन भी बढ़ रहा है और इन विशिष्ट व अतिविशिष्ट महानुभावों के लिये सड़कों पर चलने की आवश्यकता ही नहीं है। धनपति, सत्तापति, तंत्रपति और न्यायपति, इन्होंने अपने-अपने सुरक्षा और जाम से बचाव के लिये नियम बना लिये है। आमजन से कोई मतलब नहीं। भले ही संविधान में समानता का सिद्धांत हो, संविधान राज्य के व्यक्ति-व्यक्ति में फर्क न करे, परंतु संविधान के रक्षक ही रोज संविधान भक्षक का काम करते हैं।

नई दिल्ली में दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर केंद्र की सत्ताधारी पार्टी भाजपा का कार्यालय है और वहां आये दिन सरकारी परिभाषा के विशिष्ट व अतिविशिष्ट जनों का आना-जाना होता है। आसपास के कई किलोमीटर की गाड़ियां हटा दी जाती हैं या पुलिस उठा लेती है। लोगों का निकलना बंद कर दिया जाता है जबकि दीनदयाल मार्ग, रणजीत सिंह मार्ग आदि से ही दिल्ली के बड़े अस्पतालों, जी.वी. पंत, मौलाना आजाद मेडिकल कालेज, लोकनायक जेपी हास्पिटल के आने-जाने का रास्ता है परंतु मरीजों के वाहन रोक दिये जाते हैं। गरीब की जान की कोई कीमत नहीं है। इस मुल्क में केवल वीआईपी की जान की चिंता है इतना ही नहीं उसी के पास में राऊज एवेन्यू कोर्ट बनाई गई है। जहां एम.पी. एम.एल.ए के न्यायालयीन प्रकरणों की सुनवाई होती है और आजकल की चर्चित ईडी कोर्ट भी वही है। ईडी कोर्ट में पिछले कुछ दिनों से बड़े पदों पर बैठे लोग पेशियों पर सुनवाई के लिये लाये जाते हैं और कुछ उनकी सुरक्षा के नाम पर तथा कुछ उनके समर्थकों के उपद्रवहों के कारण सारा इलाका आये दिन घेर लिया जाता है, इससे आसपास के निवासियों का जीवन प्रतिबंधित और नारकीय जैसा हो जाता है।

जहां एक तरफ संविधान और कानून का पालन न करना सत्ता का चलन बन गया है वहीं दूसरी तरफ प्रतिपक्ष के नेता भी प्रथक कोई आचरण प्रस्तुत करने की जगह उसी की ही नकल करते हैं और सत्ता पक्ष जैसी गैर कानूनी सुविधाओं और प्रशासन के मूक समर्थन की अपेक्षा करते हैं। अगर कभी प्रशासन रोकने का प्रयास करे तो वह सत्ता के नेताओं का उदाहरण देकर यह कहने का प्रयास करते हैं कि जब उन्हें अपराध करने की छूट है तो हमें क्यों नहीं? वर्तमान 2024 के लोकसभा चुनाव के लिये जब नामांकन शुरू हुये तो भाजपा के भोपाल लोकसभा के प्रत्याशी का जुलूस बुधवारा स्थित चर्चित कर्फ्यू मंदिर से शुरू हुआ, वह स्थान बीच बाजार में है। इस जुलूस में मुख्यमंत्री, स्थानीय मंत्री व काफी संख्या में लोग शामिल हुए। स्वभाविक कि जब मुख्यमंत्री स्वयं नियम तोड़ने में अगुआ हैं तो प्रशासन क्या करें। हालांकि प्रशासन सोचे तो वह संवैधानिक रूप से एक संविधानिक ईकाई है, जिसकी प्रतिबद्धता संविधान व कानून के प्रति होती है न कि सत्ता या मंत्रियों के प्रति।

ब्रिटेन में कितने ही प्रधानमंत्रियों या उनके बेटों की कारें प्रतिबंधित स्थानों पर खड़ी करने की वजह से उन पर कार्यवाही की गई, जुर्माना किया गया और उन्होंने सहर्ष इस कार्यवाही को स्वीकार कर दंड को भी स्वीकार किया। जब श्रीमती किरण बेदी दिल्ली पुलिस में यातायात की अधिकारी थीं तो उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी के काफिले की सड़क पर खड़ी गाड़ियों पर कार्यवाही की थी और श्रीमति इंदिरा गांधी ने इसको लेकर न उन्हें प्रताड़ित किया और न उस घटना को अपने सम्मान से जोड़ा। भोपाल में जब सत्ता पक्ष के सांसद के नामांकन का जुलूस बीच बाजार से निकला और पूरा का पूरा यातायात, बाजार का मार्ग जाम में फँसा तो फिर प्रतिपक्ष भी कैसे पीछे रहता और उसके अगले दिन उसी प्रतिबंधित मार्ग से कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन का जुलूस निकला। दो दिन लगातार शहर जाम में फंसा रहा। कुछ प्रमुख अखबारों ने प्रमुखता से इसे छापा भी परंतु इस राजनैतिक व प्रशासनिक अपराध के लिये किसी को कोई चिंता नहीं हुई। न सरकार के कान पर जूं रेंगी और न प्रतिपक्ष के। और यहां तक की बाजार के व्यापारी, ग्राहक, सड़क पर चलने वाले लोग, बच्चों की स्कूल गाड़ियां घंटों जाम में फँसी रहीं पर किसी को कोई चिंता नहीं। जबकि चुनाव आयोग के स्पष्ट नियम हैं कि नामांकन में सीमित लोग ही जायेंगे और कोई जुलूस, जलसा रैली इत्यादि नहीं होंगे, परंतु चुनाव आयोग के मातहत चुनावकर्मी अंततरू राज्य व केंद्र के कर्मचारी ही हैं और जिन्हें चुनाव के बाद इन्हीं प्रतिनिधि की सेवा करनी है। अगर कोई बेहतर परंपरा बनाना हो तो उसकी शुरुआत स्वतरू राजनैतिक नेतृत्व को करना चाहिए। और वह तभी होगा जब जनमत राजनैतिक नेतृत्व या राज्य सत्ता के खिलाफ इन बातों को लेकर आक्रोश व्यक्त करना शुरू करेगा। पर अभी तो स्थिति यह है कि जनमत न केवल स्वेच्छा से धक्के खाने को तैयार है बल्कि उन्हीं नेताओं को नेता मानती है जिनके साथ काली पीली सुरक्षा वाले, बड़ी संख्या में प्रहरी हो जो मेजबान को भी धक्के मारे और उस पर भी मेजबान गर्व करें।

क्या देश की जनता कभी इन बातों पर विचार करेगी? कभी अपने मतदान की कसौटी, जात व धर्म से हटकर शराब या पैसे से बचकर, इन मुद्दों को मतदान का आधार बनायेगी। कई बार इन स्थितियों को देखकर लगता है कि अब तो यह मांग करना चाहिये कि भारत को लोकतंत्र की बजाय निर्वाचित राजतंत्र कहा जाये और संविधान के प्रावधानों में भी निर्वाचित लोकतंत्र की बजाय निर्वाचित राजतंत्र लिखा जाये।

महाराष्ट्र डायरी

नवीन कुमार

(वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक)

महाराष्ट्र में भाजपा के सामने सत्ता दोहराने की चुनौती

महा विकास आघाड़ी (शिवसेना-उद्धव ठाकरे गुट, एनसीपी-शरद पवार गुट और कांग्रेस) ने लोकसभा की 48 में से 30 सीटों पर कब्जा कर लिया है। इससे राज्य की राजनीतिक दिशा ही बदलती हुई दिख रही है। उद्धव गुट ने 9, शरद गुट ने 8 और कांग्रेस ने 13 सीटों पर जीत हासिल की। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पिछले चुनाव में कांग्रेस ने एक ही सीट जीती थी। महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के घटक दलों का अपने बेहतर प्रदर्शन से हौसला बुलंद है।

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में भाजपा का जिस तरह का प्रदर्शन रहा उससे अब उसके सामने भाजपानीत एकनाथ शिंदे की सरकार को दोहराने की चुनौती बढ़ गई है। 2019 में अविभाजित शिवसेना के साथ लोकसभा चुनाव लड़कर भाजपा ने 23 सीटों पर विजयी हासिल की थी। लेकिन शिवसेना और एनसीपी में विभाजन करना भाजपा को महंगा पड़ गया। विभाजित शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) और विभाजित एनसीपी (अजित पवार गुट) के साथ मिलकर चुनाव लड़कर भाजपा 23 में से सिर्फ 9 सीटों पर ही जीत हासिल कर पायी है। महायुति (भाजपा, शिंदे गुट और अजित गुट) में सबसे ज्यादा फायदा शिंदे गुट को हुआ है जिसने 15 सीटों पर चुनाव लड़कर 7 सीटें जीत ली। सबसे खराब प्रदर्शन अजित गुट का रहा जिसे बमुश्किल एक सीट मिल पायी। अजित गुट ने 5 सीटों पर चुनाव लड़ा था। भाजपा ने तो यह कल्पना की ही थी कि शिवसेना और एनसीपी टूट गई है तो उसका उसे फायदा होगा। लेकिन मामला उलटा ही हो गया।

महा विकास आघाड़ी (शिवसेना-उद्धव ठाकरे गुट, एनसीपी-शरद पवार गुट और कांग्रेस) ने लोकसभा की 48 में से 30 सीटों पर कब्जा कर लिया है। इससे राज्य की राजनीतिक दिशा ही बदलती हुई दिख रही है। उद्धव गुट ने 9, शरद गुट ने 8 और कांग्रेस ने 13 सीटों पर जीत हासिल की। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पिछले चुनाव में कांग्रेस ने एक ही सीट जीती थी। महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के घटक दलों का अपने बेहतर प्रदर्शन से हौसला बुलंद है और एमवीए को भरोसा होने लगा है कि चार महीने बाद राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत शिंदे सरकार को सत्ता से बाहर किया जा सकता है। हालांकि, भाजपा भी अपनी रणनीति तय कर रही है ताकि राज्य में उसकी सत्ता बरकरार रहे।

महायुति को विजय दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सभाएं ली और भाजपा नेता एवं राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 105 सभाएं ली। मगर इन सभाओं से जो फायदा भाजपा सहित महायुति को मिलना चाहिए था वो नहीं मिला। विधानसभा में भाजपा की स्थिति को देखा जाए तो उसके 105 विधायक हैं। लेकिन लोकसभा में अच्छा प्रदर्शन नहीं होने से 79 विधानसभा क्षेत्रों में ही उसकी स्थिति थोड़ी ठीक-ठाक दिख रही है। भाजपा को मराठवाड़ा और विदर्भ में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। मराठवाड़ा के 7, पश्चिम महाराष्ट्र के 14, उत्तर महाराष्ट्र के 24, विदर्भ के 14, कोकण के 11 और मुंबई के 9 विधानसभा सीटों पर भाजपा को भरोसा है। मराठा आरक्षण के मुद्दे के अलावा प्याज, सोयाबीन और कपास के किसानों में नाराजगी भाजपा को भुगतना पड़ा। शिवसेना और एनसीपी में तोड़फोड़ के साथ 400 पार के नारे ने भी भाजपा को झटका दिया है।

महायुति में सबसे बेहतर स्ट्राइक रेट शिंदे गुट की शिवसेना का है। उद्धव के नेतृत्व वाली शिवसेना से बगावत करने के बाद शिंदे गुट ने पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ा और उसे 7 सीटों पर जीत मिली। इससे उसे 41 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त मिली है जिसमें मराठवाड़ा के 4, पश्चिम महाराष्ट्र के 9, उत्तर महाराष्ट्र के 5, विदर्भ के 5, कोकण के 11 और मुंबई के 7 विधानसभा क्षेत्र शामिल है। सबसे ज्यादा नुकसान अजित पवार को हुआ है। वह अपने चाचा शरद पवार के सामने टिक नहीं पाए। बारामती से वह अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को भी नहीं जिता पाए। अजित गुट को लोकसभा की सिर्फ एक सीट पर जीत मिली जिससे 5 विधानसभा क्षेत्रों में उसकी स्थिति थोड़ी ठीक है।

लेकिन एमवीए के घटक दलों ने राज्य की राजनीति ही बदल दी। 10 सालों में कांग्रेस ने सबसे अच्छी स्थिति पेश की है। उसने 13 सीटों पर जीत हासिल कर ली और अब वह राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। उद्धव और शरद की सहानुभूति का लाभ उसे मिला है। इसके अलावा लोकतंत्र और संविधान को बचाने के मुद्दे पर दलित, आदिवासी और मुसलमान के वोट मिले हैं। लेकिन विधानसभा क्षेत्रों में उसकी बढ़त भाजपा से थोड़ी कम है यानी कि 63 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस का दबदबा दिख रहा है। कांग्रेस को विदर्भ के 29, मराठवाड़ा के 14, पश्चिम महाराष्ट्र के 10, उत्तर महाराष्ट्र और मुंबई के 5-5 विधानसभा क्षेत्रों में फायदा मिला है। स्ट्राइक रेट के हिसाब से देखा जाए तो शरद गुट की एनसीपी बहुत ही बेहतर स्थिति में है। एनसीपी में विभाजन के बाद 84 साल के शरद ने अपने दम पर 10 में से 8 सीटों पर विजय दिला दी।

उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा वाली सीट बारामती में बेटी सुप्रिया सुले को भी जीत दिलाई। उनके भतीजे अजित ने बगावत करके 40 विधायकों के साथ महायुति में शामिल हो गए। लेकिन शरद ने 34 विधानसभा क्षेत्रों में अपनी बढ़त कायम रखी है। शरद ने यह भी साबित किया कि उनकी एनसीपी असली है। अपने पारंपरिक शिवसैनिकों के सहारे उद्धव ने भी यह जता दिया कि उनकी शिवसेना असली है। जिस तरह से नतीजे आए हैं उससे उद्धव ने अपने नरम हिंदुत्व के बल पर हर वर्ग की जनता का विश्वास जीता है। शिवसैनिकों के अलावा दलित, आदिवासी और मुसलमान ने भी एमवीए की तरफ अपना झुकाव दिखाया है। शिवसेना में विभाजन के बाद पहली बार उद्धव के लिए यह लोकसभा चुनाव अस्तित्व की लड़ाई थी जिसमें उन्हें सफलता मिली है।

इससे विधानसभा चुनाव के साथ बीएमसी के चुनाव में भी उनका जीत का भरोसा बढ़ा है। मुंबई और मराठवाड़ा के मतदाताओं ने उनका मनोबल बढ़ाया है। उद्धव गुट को 56 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त मिली है जिसमें मराठवाड़ा के 17, मुंबई के 15, पश्चिम महाराष्ट्र के 5, उत्तर महाराष्ट्र, विदर्भ और कोकण के 7-7 क्षेत्र शामिल हैं। उद्धव के साथ शरद ने एमवीए का नेतृत्व जिस तरह से किया उससे वे भाजपा के सामने एक चुनौती के रूप में भी दिख रहे हैं।जमीनी हकीकत से महायुति और एमवीए दोनों गठबंधन वाकिफ है। इसलिए दोनों गठबंधन के घटक दल अपनी ताकत का भी एहसास कर रहे हैं। महायुति के शिंदे गुट खुद को बड़ा भाई बता रहा है तो कांग्रेस ने भी यह बात कही है।

एमवीए ने तय कर लिया है कि कोई बड़ा भाई नहीं है। लेकिन शिंदे गुट अभी अपने दावे पर अटल है। इससे भाजपा की परेशानी बढ़ी हुई है। फिलहाल भाजपा में संगठनात्मक बदलाव का माहौल है। 2019 के विधानसभा चुनाव में अपना करिश्मा दिखा चुके भूपेंद्र यादव को फिर से महाराष्ट्र का प्रभारी बनाया गया है। भाजपा ने 2019 में 105 सीटें जीती थी। लेकिन प्रभारी यादव के सामने यह चुनौती है कि पार्टी के अंदर गुटबाजी को कैसे खत्म किया जाए। यह चर्चा है कि इस गुटबाजी की वजह से भाजपा के कई उम्मीदवारों को हार मिली है।

दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि महायुति के घटक दलों को अजित गुट का सहयोग नहीं मिला। अजित गुट की आलोचना आरएसएस ने भी की है। अपने ऊपर लगे आरोपों से बौखलाकर अजित गुट ने महायुति से बाहर का रास्ता देखने का भी इशारा कर दिया है। अब तो अजित गुट की हालत ऐसी हो गई है कि उसे घर वापसी का भी मौका नहीं मिल रहा है। बावजूद इसके अजित गुट ने 80-90 विधानसभा की सीटों की मांग करके भाजपा की बेचैनी बढ़ा दी है। शिंदे गुट भी यही मांग कर रही है। ऐसे में भाजपा के लिए कितनी सीटें बचेगी। सीटों को लेकर विवाद तो एमवीए में भी बढ़ने वाली है। क्योंकि, कांग्रेस बड़ी पार्टी बन गई है तो शरद राज्य में सत्ता परिवर्तन के लिए आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में उद्धव गुट की स्थिति क्या होगी कहना मुश्किल है। लेकिन जब उद्धव गुट लोकसभा चुनाव जैसी स्थिति पैदा कर देगा तो एमवीए में सीटों का विवाद कम हो सकता है।

महायुति में तो भाजपा 185 सीटों से कम पर मानने वाली नहीं है तो शिंदे गुट और अजित गुट किसी समझौते के तहत ही कम सीटों पर मान सकते हैं, ऐसा राजनीतिक पंडितों का भी मानना है। लोकसभा चुनाव में भी दबाव की वजह से महायुति में सीटों पर समझौता हुआ था। लेकिन उससे भाजपा को ज्यादा नुकसान हो गया है। अब भाजपा ने दिल्ली के इशारे पर विधानसभा चुनाव के लिए रोड मैप तैयार किया है और उस पर शिंदे गुट और अजित गुट से चर्चा करने का फैसला किया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा किस तरह से अपनी रणनीति के तहत दोबारा सत्ता हासिल करने के लिए काम करती है।

नक्कालों से सावधान

कटाक्ष

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

परीक्षा रद्द करना मज़बूरी है। नक्कालों पर नकेल कसना जरूरी है।आज परीक्षाएं दम तोड़ रही हैं। प्रतिभाओं का गर्दन मरोड़ रही हैं। परीक्षा कराने वाले बेदम हैं। नकल विहीन परीक्षा अब सपना बन कर रह गया है। क्या सपने सच होते हैं? नक्कालों के लिए पैसा देने वाले अपने होते हैं। पहले इस तरह के प्रचार सिर्फ़ नकली वस्तु से बचने के लिए होता था। अब समय बहुत बदल गया है और फ़्रॉड करने वालों ने भी खूब तरक्क़ी किया है। नकली को असली में ट्रांसफार्म कर दे रहे हैं। यह घालमेल है। नक्कालों के लिए यह दूध और पानी की मिलावट जैसा है। अपने यहां नकली माल बनाने व भुनाने वाले नक्कालों की भरमार है। परीक्षाओं में असली पेपर का नकली क्लोन मार्केट में उपलब्ध है। कभी हूबहू तो कभी थोड़ी सी हेरफेर। इस सुविधा से असली सीमित रहता है और डुप्लीकेट असीमित रूप से चुन लिया जाता है। यह गन्दा है पर धंधा बना लिए हैं। परीक्षा के असली टॉपर चक्करघिन्नी बन जाते हैं। यह तो कमीनेपन की पराकाष्ठा है।फिर भी परीक्षा में आस्था है। ऐसे नक्कालों द्वारा प्रायोजित पास कैंडिडेट खानदानी हकीम बनते या झोलाछाप। भविष्य में वो पढाई करके हकीम बनेंगे या टीपटाप के। एलोपैथिक दवाखाना चलाएंगे या आयुर्वेदिक। इस सवाल का जवाब किसी के पास नहीं। इसमें शंका-आशंका और वहम है, तो ये सब मन की उपज है। ऐसी घटनाओं पर चुप्पी भारी है।अब शासन-प्रशासन को और ज्यादा सक्रिय-सचेत और सावधान रहने की जरूरत है। रद्द परीक्षाओं में घुसे हैं कि घुसेड़ दिए गए हैं। ऐसे नक्कालों को सर्च करना जरूरी है। आगे भी सक्रियता दिखा सकते हैं, क्योंकि यह उनका धंधा है। अगर ऐसा वह नहीं करेंगे तो मंदा पड़ जाएगा। यह प्रतिभाओं के लिए गंदा है।

शिक्षा में भ्रष्टाचार का अचार पड़ना ठीक नहीं। इसका मतलब आचार-विचार दुरुस्त नहीं। नैतिकता का अभाव है। जिसके कारण बदला अनैतिक स्वभाव है। पुरुषार्थ की परिभाषा को समझना जरूरी है। सिर्फ धन कमाने के लिए गलत ट्रैक पर जाना भयावह है। पूल का ढहना, पेट में डॉक्टर द्वारा कैंची या अन्य चीजें छूटना या भ्रष्टाचार करना। सब नक्कालों की महिमा है। महिमा का गुणगान करना समाज में प्रचलित है। यह सभी नक्काल बड़े धार्मिक हैं। गोलमाल करने में आसानी होती है। नकली माल असली सा बिकता है। हूबहू असली जैसा दिखता है। कोई भी धोखा खा जाए। बच्चों जरा संभलना बड़े धोखे हैं.. इस राह पर। अब परीक्षाओं को शंका की निगाह से देखा जाता है। प्रभु ईमानदारी का पुराना दौर लौटा दो। देश को भ्रष्टाचारी होने से बचा लो। इसका यही एकमात्र उपाय, नक्कालों से सावधान!

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

दृष्टिकोण

ध्रुव शुक्ल

पाठशाला जैसी जिन्दगी की परीक्षा के किस्से

पुराणों में परीक्षा के किस्से मिलते हैं। सत्यवादियों और दानियों की खूब परीक्षा ली गयी। परिणाम यह आया कि जो सत्य के पक्ष में थे उन्हें अपने ही बेटे के शवदाह के लिए लकड़ियां नहीं मिलीं। जो दानी थे उनसे छल करके उनके कवच-कुण्डल छीन लिए गये। पवित्रता की परीक्षा लेकर स्त्रियों को आग में झोंक दिया गया। जिनने अपने जीवन में सत्य, दान और पवित्रता का मूल्य पाया उन्हें अहंकारी ज्ञानियों, छलिया अवतारों और यहां तक कि धोबियों ने परीक्षा देने को विवश किया। वे परीक्षा देकर थक गये, हार गये। जिनने अहिंसा के मूल्य को पाना चाहा वे मारे गये।

आखिर क्या है परीक्षा देने का अर्थ? क्या वह किसी को पीछे छोड़कर आगे निकल जाना है? या जीवन में मिली थोड़ी-सी जगह में रहकर परस्पर सहयोग को पाना है? ज्ञानी ही कहते रहे कि सत्य की प्रयोगशाला तो हर आदमी का शरीर ही है। शरीर एक क्लासरूम जैसा है जिसमें अपने ही हाथ-पांव सहित सब अङ्गों की क्लास लगी है। यह शरीर ही ज्ञान स्वरूप है जो प्रकृति के विश्व विद्यालय में संयोगवश दाखिला लेता है और नश्वर होने के कारण एक दिन उसकी मृत्यु आ जाती है।

वह कौन-सी परीक्षा है जिसमें उत्तीर्ण होकर अपने जन्म की कुछ सार्थकता का आभास हो? जितने आदमी हैं उतने स्वभाव हैं। जितने स्वभाव हैं उतने सवाल है। जितने सवाल हैं उतने उत्तर हैं। अब कौन किसकी परीक्षा लेकर किसकी कापी जांचे? किसी प्रश्न का कोई समुचित उत्तर अब तक नहीं मिला। कितनी किताबें लिखी गयीं और काल के गाल में समा गयीं। प्रवचन देने वाले कितने सत्यानन्द, प्रेमानन्द, मुक्तानन्द हो गये पर वे भी निरुत्तर ही रहे।

आदमी ने जन्मजात अपने स्वभाव से ऐसी स्वतंत्रता पायी है कि उसे मर्यादित करने के लिए अपने विरुद्ध उसी का हठ काम नहीं आता। उसे अपने बीच से ही एक ऐसी सत्ता रचना पड़ती है जो उसकी स्वतंत्रता को अराजक स्वच्छंदता की तरफ़ जाने से रोक सके। ईश्वर और राज्य व्यवस्था की कल्पना ऐसी ही सत्ता है। पर अब तक इन सत्ताओं ने आदमी को परतंत्र ही बनाया है। आदमी अपनी बनायी प्रत्येक सत्ता से भयभीत होकर अपने से दूर होकर दौड रहा है।

योग्यता का अर्थ विकेन्द्रित स्थानीयता में खुलता है, केन्द्रीकृत विश्व सत्ता में नहीं। आदमी के हाथ जहां तक पहुंच सकते हैं उसी ढाई फीट की जगह में उसका स्वराज्य संभव है। आदमी का मन वैश्विक है और सभ्यताएं इसी मन की भूमि पर रची जाती हैं। आत्मबल तो स्थानीय है और वह पीछे छूट जाता है। सारी प्रतियोगी परीक्षाएं मन के विस्तार में चल रही हैं और इसी कारण वे स्वार्थपूर्ण हैं। हर कोई एक-दूसरे को पीछे छोड़कर आगे निकल जाना चाहता है।

अनुभव में तो यही आता है कि आगे निकल जाने और पीछे छोड़ देने की कोई जगह ही नहीं है। जगह तो केवल साथ रहने की है। यह साथ रहने की जगह बनाये रखने के लिए सबको अपनी-अपनी परीक्षा करना होगी और अपने जीवन की कापी खुद ही जांचना होगी। कोई परीक्षक नहीं है जो किसी की जिन्दगी को जांचकर मूल्यांकन कर सके। जीवन अनुत्तरित प्रश्नों जैसा है और सबका ईमान अलिखित है। सबका कर्म ही उत्तर पुस्तिका है। अब प्रश्न उठते ही कहां हैं, पता नहीं वे अंतःकरण के किस कोने में दबे पड़े हैं। तभी तो सार्थक उत्तर भी दिखायी नहीं दे रहे। आखिर जीवन के प्रश्नों को छिपाने की जरूरत क्या है। पेपर आउट होन दो। पता तो चले कि इस भयानक काल में लोग कौन-से प्रश्न अपने आपसे पूछो रहे हैं।

हमारे बच्चे मांग कर रहे हैं कि उनकी उत्तर पुस्तिका का सही मूल्यांकन नहीं हो पा रहा है। वे परीक्षकों पर संदेह के प्रश्न उठा रहे हैं। क्या समाज और अभिभावक उनकी आवाज़ सुन रहे हैं? क्या परीक्षकों की सत्ता पर कोई विचार नहीं किया जायेगा? क्या उस राजनीतिक सत्ता से सवाल नहीं पूछे जायेंगे जो अपनी विफलताओं पर अपने आपसे प्रश्न पूछने में असमर्थ हो चुकी है? आखिर इस सत्ता को हमने ही चुना है और वह हमारे प्रति उत्तरदायी है।

धरती माता-2

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

पर्यावरण निर्माण व नष्ट होने के लिए मानव जवाबदार

पृथ्वी की सबसे ऊपरी परत को स्थलमंडल कहा जाता है, जो चट्टानों और खनिजों से बनी मिट्टी की एक पतली परत है। जलमंडल में विभिन्न प्रकार के जल निकाय जैसे समुद्र, महासागर, नदियाँ, झीलें, तालाब आदि शामिल हैं। वायुमंडल, जिसमें जलवाष्प, गैस और धूल के कण होते हैं, हवा की वह परत है जो पृथ्वी को घेरती है। मनुष्यों, पौधों और जानवरों से मिलकर बना जीवित संसार जीवमंडल का गठन करता है।

इस विषय पर पिछले आलेख में लिखा था कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने कहा था कि धरती माता स्पष्ट रूप से कार्यवाही का आह्वान का आग्रह कर रही है। न्यायालय के अनुसार पर्यावरण पृथ्वी पर सभी जीवित चीजों के लिए बुनियादी जीवन समर्थन प्रणाली है। यह प्राकृतिक और मानव निर्मित घटकों का एक संयोजन है। प्राकृतिक घटकों में वायु, जल, भूमि और जीवित जीव शामिल हैं। सड़कें, उद्योग, भवन आदि मानव निर्मित घटक हैं। प्राकृतिक पर्यावरण को चार मुख्य घटकों में विभाजित किया जा सकता है। जीवमंडल, स्थलमंडल, जलमंडल और वायुमंडल। पृथ्वी की सबसे ऊपरी परत को स्थलमंडल कहा जाता है, जो चट्टानों और खनिजों से बनी मिट्टी की एक पतली परत है। जलमंडल में विभिन्न प्रकार के जल निकाय जैसे समुद्र, महासागर, नदियाँ, झीलें, तालाब आदि शामिल हैं। वायुमंडल, जिसमें जलवाष्प, गैस और धूल के कण होते हैं, हवा की वह परत है जो पृथ्वी को घेरती है। मनुष्यों, पौधों और जानवरों से मिलकर बना जीवित संसार जीवमंडल का गठन करता है।

भारतीय संविधान के तहत निर्देशात्मक सिद्धांत कल्याणकारी राज्य के निर्माण के आदर्शों की ओर निर्देशित थे। स्वस्थ पर्यावरण भी कल्याणकारी राज्य के तत्वों में से एक है। अनुच्छेद 47 में यह प्रावधान है कि राज्य अपने लोगों के पोषण के स्तर और जीवन स्तर को ऊपर उठाने और सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार को अपने प्राथमिक कर्तव्यों में मानेगा। सार्वजनिक स्वास्थ्य के सुधार में पर्यावरण की सुरक्षा और सुधार भी शामिल है जिसके बिना सार्वजनिक स्वास्थ्य सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है। अनुच्छेद 48 कृषि और पशुपालन के संगठन से संबंधित है। यह राज्य को आधुनिक और वैज्ञानिक आधार पर कृषि और पशुपालन को व्यवस्थित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश देता है। विशेष रूप से, इसे नस्लों के संरक्षण और सुधार के लिए कदम उठाने चाहिए और गायों और बछड़ों और अन्य दूध देने वाले और भार वाले मवेशियों के वध पर प्रतिबंध लगाना चाहिए।

संविधान का अनुच्छेद 48-ए कहता है कि ''राज्य पर्यावरण की रक्षा और सुधार करने और देश के वनों और वन्यजीवों की रक्षा करने का प्रयास करेगा।'' भाग के तहत भारत का संविधान मौलिक अधिकारों की गारंटी देता है जो प्रत्येक व्यक्ति के विकास के लिए आवश्यक हैं और जिनके लिए एक व्यक्ति स्वाभाविक रूप से केवल मानव होने के कारण हकदार है। पर्यावरण का अधिकार भी एक अधिकार है जिसके बिना व्यक्ति का विकास और उसकी पूरी क्षमता का एहसास संभव नहीं होगा। इस भाग के अनुच्छेद 21, 14 और 19 का उपयोग पर्यावरण संरक्षण के लिए किया गया है।

संविधान के अनुच्छेद 21 के अनुसार, किसी भी व्यक्ति को कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अलावा उसके जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित नहीं किया जा सकता है। मेनका गांधी बनाम भारत संघ मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अनुच्छेद 21 को समय-समय पर उदार व्याख्या मिली है। अनुच्छेद 21 जीवन के मौलिक अधिकार की गारंटी देता है। बीमारी और संक्रमण के खतरे से मुक्त पर्यावरण का अधिकार इसमें निहित है। स्वस्थ पर्यावरण का अधिकार मानव गरिमा के साथ जीने के अधिकार की महत्वपूर्ण विशेषता है। संविधान के अनुच्छेद 21 के हिस्से के रूप में एक स्वस्थ वातावरण में रहने के अधिकार को पहली बार ग्रामीण मुकदमेबाजी हकदारी केंद्र बनाम राज्य, के मामले में मान्यता दी गई थी। यह भारत में इस तरह का पहला मामला है, जिसमें पर्यावरण और पारिस्थितिकी संतुलन से संबंधित मुद्दे शामिल हैं, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत खुदाई (अवैध खनन) को रोकने का निर्देश दिया था। एम.सी. मेहता बनाम भारत संघ प्रकरण में उच्चतम न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने के अधिकार को जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा माना।

अत्यधिक शोर, भी समाज में प्रदूषण पैदा करता है। संविधान के अनुच्छेद 21 के साथ पठित अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत भारत का संविधान सभ्य पर्यावरण के अधिकार और शांति से रहने के अधिकार की गारंटी देता है। पीए जैकब बनाम कोट्टायम के पुलिस अधीक्षक प्रकरण में केरल उच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में लाउड स्पीकर या ध्वनि एम्पलीफायरों का उपयोग करने की स्वतंत्रता शामिल नहीं है। इस प्रकार, लाउड स्पीकरों के कारण होने वाले ध्वनि प्रदूषण को संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत नियंत्रित किया जा सकता है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 (1) (जी) प्रत्येक नागरिक को किसी भी पेशे का अभ्यास करने या किसी भी व्यवसाय, व्यापार या व्यवसाय को करने का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। यह उचित प्रतिबंधों के अधीन है। एक नागरिक व्यावसायिक गतिविधि नहीं कर सकता है, अगर यह समाज या आम जनता के लिए स्वास्थ्य के लिए खतरा है। इस प्रकार पर्यावरण संरक्षण के लिए सुरक्षा उपाय इसमें निहित हैं। कुवरजी बी. भरूचा बनाम आबकारी आयुक्त, अजमेर मामले में शराब के व्यापार से संबंधित मामले का निर्णय लेते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा कि यदि पर्यावरण संरक्षण और व्यापार और व्यवसाय की स्वतंत्रता के अधिकार के बीच टकराव होता है, तो न्यायालयों को किसी भी व्यवसाय को चलाने के लिए मौलिक अधिकारों के साथ पर्यावरण हितों को संतुलित करना होगा।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 और 226 के तहत जनहित याचिका के परिणामस्वरूप पर्यावरणीय मुकदमेबाजी की एक लहर पैदा हुई। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा तय किए गए प्रमुख पर्यावरणीय मामलों में देहरादून क्षेत्र में चूना पत्थर की खदानों को बंद करने का मामला शामिल है। दिल्ली में क्लोरीन संयंत्र में सुरक्षा की स्थापना एमसी मेहता बनाम भारत संघ प्रकरण उल्लेखनीय है। वेल्लोर नागरिक कल्याण मंच बनाम भारत संघ प्रकरण में न्यायालय ने कहा कि एहतियाती सिद्धांत और प्रदूषक भुगतान सिद्धांत और सतत विकास'' की आवश्यक विशेषताएं हैं। स्थानीय और ग्राम स्तर पर भी, पंचायतों को संविधान के तहत संरक्षण, जल प्रबंधन, वानिकी और पर्यावरण की सुरक्षा और पारिस्थितिक पहलू को बढ़ावा देने जैसे उपाय करने का अधिकार दिया गया है।

पर्यावरण संरक्षण हमारे सांस्कृतिक मूल्यों और परंपराओं का हिस्सा है। अथर्ववेद में कहा गया है 'मनुष्य का स्वर्ग पृथ्वी पर है यह जीवित संसार सभी का प्रिय स्थान है इसमें प्रकृति की कृपा का आशीर्वाद है एक सुंदर भावना में रहें। पृथ्वी हमारा स्वर्ग है और यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपने स्वर्ग की रक्षा करें। भारत का संविधान प्रकृति के संरक्षण और संरक्षण के ढांचे का प्रतीक है जिसके बिना जीवन का आनंद नहीं लिया जा सकता है। पर्यावरण संरक्षण के संबंध में संवैधानिक प्रावधानों का ज्ञान अधिक से अधिक जन भागीदारी, पर्यावरण जागरूकता, पर्यावरण शिक्षा लाने और पारिस्थितिकी और पर्यावरण के संरक्षण के लिए लोगों को संवेदनशील बनाने के लिए इस दिन की आवश्यकता है।

शिक्षा

डॉ. चन्दर सोनाने

जब नींव ही है कमजोर तो इमारत कैसे बनेगी मजबूत!

मध्यप्रदेश के सभी स्कूलों में प्रवेशोत्सव मनाए जाने के राज्य शासन द्वारा निर्देश दिए गए है। किन्तु, दुःखद है कि प्रदेश में 2,621 स्कूलों में कोई शिक्षक ही पदस्थ नहीं है। इतने सारे स्कूल शिक्षकविहीन हैं। यही नहीं प्रदेश में 8,340 स्कूल सिर्फ एक ही शिक्षक के भरोसे चलाए जा रहे हैं। कल्पना कीजिए, जब नींव ही कमजोर होगी तो ईमारत कैसे मजबूत बन सकेगी?

मध्यप्रदेश में फिलहाल 94,039 स्कूल संचालित हैं। उनमें 1 करोड़ 39 लाख 84 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राएँ पढ़ाई कर रहे हैं। जिन स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं हैं वो तो भगवान भरोसे है ही, ऐसे स्कूलों में जाने वाले बच्चों का भविष्य भी अंधकारमय है। प्रदेश के जो स्कूल सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चलाए जा रहे है, वहाँ कल्पना कीजिए कक्षा 1 ली से 5 वीं तक के समस्त कक्षाओं के सभी विषय जब एक ही शिक्षक पढ़ायेगा तो वहाँ पढ़ने वाले बच्चों की नींव कैसे मजबूत हो सकेगी ?

मध्यप्रदेश के केवल उज्जैन संभाग के ही स्कूलविहीन शिक्षकों की उदाहरण के रूप में चर्चा करें तो उज्जैन संभाग के 7 जिलो में 336 स्कूल बिना शिक्षक के है। इनमें सर्वाधिक 104 स्कूल देवास जिले के हैं। इसी प्रकार उज्जैन जिले में 68, शाजापुर में 46, रतलाम में 36, मंदसौर में 34, आगर मालवा में 27 और नीमच जिले में 21 स्कूल ऐसे हैं, जहाँ स्कूल शुरू होने के बावजूद भी एक भी शिक्षक नहीं है। उज्जैन संभाग जैसे ही हाल प्रदेश के अन्य संभागों में भी है।

इसी प्रकार उज्जैन संभाग के 7 जिलों में 1091 स्कूल ऐसे है, जहाँ केवल 1 शिक्षक ही है। इनमें सर्वाधिक 259 स्कूल देवास जिले के है। उज्जैन के 246, मंदसौर के 168, रतलाम के 110, आगर मालवा के 106, नीमच के 102 और शाजापुर के 100 स्कूल ऐसे है, जहाँ मात्र 1 शिक्षक पदस्थ है। यही हाल प्रदेश के अन्य संभागों के जिलों का भी है। हाल ही में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा की है कि 1 जुलाई से प्रदेश के सभी 55 जिलों में एक-एक पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शुरू किए जायेंगे। यह अच्छी बात है कि जिन कॉलेजों का चयन इस योजना में हुआ है, उनके लिए अतिरिक्त पद और बजट भी दिया जा चुका है।

यहाँ खास बात यह है कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार प्रदेश में प्रत्येक जिले में एक-एक कॉलेज को पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में शुरू किया जा रहा है। वहीं प्रदेश के जिलों में काफी संख्या में ऐसे स्कूल हैं, जहाँ एक भी शिक्षक ही नहीं है। जब इन जैसे स्कूलों से छात्र निकलेंगे तो सहज ही कल्पना की जा सकती है कि उनकी नींव कमजोर ही होगी। तब वहाँ से छात्र कैसे शिक्षित बनकर निकल सकेंगे ?

प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव को चाहिए कि वे विशेष अभियान चलाकर एक माह के अंदर जिन स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं है, वहाँ पर प्राथमिकता पर कम से कम दो-दो शिक्षक पदस्थ करें। इसी प्रकार प्रदेश के जिन स्कूलों में मात्र एक-एक शिक्षक पदस्थ है, वहाँ कम से कम दो-दो शिक्षकों की नियुक्ति करें, ताकि इन स्कूलों के बच्चों की नींव मजबूत बन सके और वे अपने जीवन की ईमारत को मजबूत बना सके। सभी स्कूलों में उनके स्कूल भवन होना भी जरूरी है। आज भी देश की आजादी के 75 साल हो जाने के बाद भी झोपड़ी में स्कूल लग रहे है। यह प्रदेश और प्रदेशवासियों के लिए दुःखद और शर्मनाक है। इसी के साथ प्रदेश के सभी स्कूलों में मूलभूत आवश्यकताओं की चीजों का बंदोबस्त भी प्राथमिकता से किया जाना चाहिए। जैसे प्रत्येक स्कूल में पर्याप्त टेबल-कुर्सी, शिक्षण सामग्री, स्कूल भवन, पेयजल, शौचालय, मध्याह्न भोजन आदि का बंदोबस्त किया जाना चाहिए। यह सब होगा तभी छात्र स्कूल से शिक्षित और प्रतिभाशाली बनकर निकल सकेंगे।

चेतावनी

प्रमोद भार्गव

लेखक पत्रकार है।

वैश्विक गर्मी का चरम

इस बार वैश्विक गर्मी चरम पर है। विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) के अनुसार बीते वर्ष और पिछले दशक ने धरती पर आग बरसाने का काम किया है। अमेरिका की पर्यावरण संस्था वैश्विक विटनेस और कोलंबिया विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन के निष्कर्ष में पाया है कि तेल और गैस के अधिकतम मात्रा में उत्पादन से यह हालात निर्मित हुए हैं। यदि इन ईंधनों के उत्सर्जन का यही हाल रहा तो 2050 तक गर्मी अपने चरम पर होगी। डब्ल्यूएमओ ने चेतावनी दी है कि अगले पांच साल में वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की 66 प्रतिशत आशंका है। इस गर्मी से जीव-जगत की क्या स्थिति होगी, इसका अनुमान लगाना भी मुष्किल है। यूनिसेफ के साथ साझेदारी में अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट (एचईआई)' ने अपनी रपट में बताया है कि 2021 में दुनिया भर में 81 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण से हुई है। इनमें भारत में 21 लाख और चीन में 23 लाख मौतें दर्ज की की गई हैं। 2021 में भारत में पांच वर्ष के कम आयु के एक लाख 69 हजार 400 बच्चों की मौतें हुई हैं। इसके साथ ही नाइजीरिया, पाकिस्तान, इथौपिया और बांग्लादेश में भी हजारों बच्चे वायु प्रदूषण के चलते काल के गाल में समा गए हैं। समूचे विश्व में बढ़ते वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाओं की संख्या और तीव्रता में निरंतर बढ़ोत्तरी हो रही है। इसीलिए कहा जा रहा है कि इस बार धरती पर प्रलय बाढ़ से नहीं आसमान से बरसने वाली आग से आएगी। इसके संकेत प्रकृति लगातार दे रही है। फिर भी विडंबना है कि दुनिया के नीति-नियंता चेत नहीं रहे है।

धरती पर रहने वाले जीव-जगत पर करीब तीन दशक से जलवायु परिवर्तन के वर्तमान और भविष्य में होने वाले संकटों की तलवार लटकी हुई है। मनुष्य और जलवायु बदलाव के बीच की दूरी निरंतर कम हो रही है। इस संकट से निपटने के उपायों को तलाशने के लिए 198 देश जलवायु सम्मेलन करते हैं। इन सम्मेलनों में होने वाली परिचर्चाओं के निष्कर्ष में वैश्विक तापमान के बढ़ते कारणों में कोयला, तेल और गैस अर्थात जीवाश्म ईंधन को माना जाता रहा है। इसके उपयोग को धीरे-धीरे कम करने की नसीहतें भी दी जाती रही हैं। लेकिन अब तक नतीजे ढांक के तीन पात रहे हैं। इन सम्मेलनों का एक ही प्रमुख लक्ष्य रहा है कि दुनिया उस रास्ते पर लौटे, जिससे बढ़ते वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक स्थिर रखा जा सके। लेकिन अब जो संकेत मिल रहे हैं, उनसे स्पष्ट है कि कुछ ही सालों के भीतर गर्मी तापमान की इस सीमा का उल्लंघन कर लेगी। क्योंकि इस बार तीन सप्ताह से लगातार गर्मी का तापमान 40 से 55 डिग्री तक बना रहा है। राजधानी दिल्ली में यह तापमान 52.9 डिगी तक पहुंच चुका है। सऊदी अरब में भीषण गर्मी के चलते 1000 से ज्यादा हज यात्रियों की मौत हो चुकी हैं। इनमें 98 भारतीय हैं।

इस गर्मी का अनुमान पर्यावरणविदों ने पहले से ही लगा लिया है। इन्हीं की सलाह पर 100 से ज्यादा देष 2030 तक दुनिया की नवीनीकरण योग्य ऊर्जा को बढ़ाकर तीन गुना करने के प्रयास में लगे हुए हैं। इसके अंतर्गत अक्षय ऊर्जा के प्रमुख स्रोत सूर्य, हवा और पानी से बिजली बनाने के उपाय सुझाए गए हैं। इस सिलसिले में प्रेरणा लेने के लिए ऊरुग्वे जैसे देश का उदाहरण दिया जा रहा है, जो अपनी जरूरत की 98 फीसदी ऊर्जा इन्हीं स्रोतों से प्राप्त करता है। इस साल दुनिया में सूरज से कुल खपत की छह प्रतिशत ऊर्जा प्राप्त हो रही है। प्रत्येक तीन साल के भीतर सौ ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की क्षमता दोगुनी बढ़ रही है। अगले दस साल में इसके 10 गुना बढ़ने की उम्मीद है। 2035 तक सौर्य ऊर्जा बिजली का सबसे बड़ा स्रोत होगी। 2040 तक बिजली समेत अन्य ऊर्जा की जरूरतें इन्हीं सौर्य ऊर्जा संयंत्रों से पूरी होने की उम्मीद है। सोलर पैनलों से पैदा होने वाली बिजली ऊर्जा के अन्य स्रोतों से लागत में सस्ती है। इसका चिंताजनक पहलू यही है कि इस ऊर्जा को पैदा करने वाले सौर पैनल का सबसे ज्यादा निर्माण चीन में होता है। इस कारण वह इनकी कीमत अपनी इच्छा के अनुसार दुनिया के देशों से वसूलता है। भारत भी सूर्य से ऊर्जा उत्पादन की दिशा में लगातार बढ़ रहा है। अडानी समूह हरित ऊर्जा के संयंत्र गुजरात और राजस्थान में लगा रहा है। लेकिन यह एक अपवाद हैं, हकीकत यह है कि यूक्रेन और रूस तथा इजरायल और हमास के बीच चलते भीषण युद्ध के कारण कोयला जैसे जीवाश्म ईंधन से ऊर्जा उत्पादन का प्रयोग बढ़ा है और बिजली उत्पादन के जिन कोयला संयंत्रों को बंद कर दिया गया था, उनका उपयोग फिर से शुरू हो गया है।

पर्यावरण विज्ञानियों ने बहुत पहले जान लिया था कि औद्योगिक विकास से उत्सर्जित कार्बन और शहरी विकास से घटते जंगल से वायुमंडल का तपमान बढ़ रहा है, जो पृथ्वी के लिए घातक है। इस सदी के अंत तक पृथ्वी की गर्मी 2.7 प्रतिशत बढ़ जाएगी, नतीजतन पृथ्वीवासियों को भारी तबाही का सामना करना पड़ेगा। इस मानव निर्मित वैश्विक आपदा से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन जिसे कांफ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी/कॉप) के नाम से भी जाना जाता है में पेरिस समझौते के तहत वायुमंडल का तापमान औसतन 1.5 डिग्री

सेल्सियस से कम रखने के प्रयास के प्रति भागीदार देशों ने वचनबद्धता भी जताई। लेकिन वास्तव में अभी तक 56 देशों ने संयुक्त राष्ट्र के मानदंडों के अनुसार पर्यावरण सुधार की घोषणा की है। इनमें यूरोपीय संघ, अमेरिका, चीन जापान और भारत भी शामिल है। लेकिन लंबे समय से चल रहे रूस और यूक्रेन तथा इजरायल और फिलिस्तीन युद्ध के चलते नहीं लगता कि कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण नवीकरणीय ऊर्जा को जो बढ़ावा दिया जा रहा है, वह स्थिर रह पाएगा। क्योंकि जिन देशों ने वचनबद्धता निभाते हुए कोयला से ऊर्जा उत्सर्जन के जो संयंत्र बंद कर दिए थे, उनमें से कई रूस ने चालू कर लिए हैं।

नवंबर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात् ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत-चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन 40 देशों ने कोयले से पल्ला झाड़ लेने का भरोसा दिया था। 20 देषों ने विश्वास जताया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्रों को बंद कर दिया जाएगा। आस्ट्रेलिया के सबसे बड़े कोयला उत्पादक व निर्यातक रियो टिंटो ने अपनी 80 प्रतिशत कोयले की खदानें बेच दीं थीं, क्योंकि भविष्य में कोयले से बिजली उत्पादन बंद होने के अनुमान लगा लिए गए थे। परंतु उपरोक्त युद्धों के चलते अनेक देशों ने अपने थर्मल पावर बंद नहीं किए हैं।

इन बदलते हालातों में हमें जिंदा रहना है तो जिंदगी जीने की शैली को भी बदलना होगा। हर हाल में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती करनी होगी। यदि तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है तो कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत कमी लानी होगी। आईपीसीसी ने 1850-1900 की अवधि को पूर्व औद्योगिक वर्ष के रूप में रेखांकित किया हुआ है। इसे ही बढ़ते औसत वैश्विक तापमान की तुलना के आधार के रूप में लिया जाता है। गोया, कार्बन उत्सर्जन की दर नहीं घटी और तापमान में 1.5 डिग्री से ऊपर चला जाता है तो असमय अकाल, सूखा, बाढ़ और जंगल में आग की घटनाओं का सामना निरंतर करते रहना पड़ेगा। इन गर्मियों में भारत समेत न केवल दुनिया के जंगलों में आग की घटनाएं बड़ी हैं, बल्कि उद्योग, अस्पताल और घरों तथा खड़ी व चलती कारों में भी बड़ी संख्या में आग की घटनाएं देखने में आ रही हैं। बढ़ते तापमान का असर केवल धरती पर होगा, ऐसा नहीं है। समुद्र का तापमान भी इससे बढ़ेगा और कई शहरों के अस्तित्व के लिए समुद्र संकट बन जाएगा। इसी सिलसिले में जलवायु परिवर्तन से संबंधित संयुक्त राष्ट्र की अंतर-सरकारी समिति की ताजा रिपोर्ट के अनुसार सभी देश यदि जलवायु बदलाव के सिलसिले में हुई क्योटो-संधि का पालन करते हैं, तब भी वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 2010 के स्तर की तुलना में 2030 तक 10.6 प्रतिशत तक की वृद्धि होगी। नतीजतन तापमान भी 1.5 से ऊपर जाने की आशंका बढ़ गई है। दुनिया में बढ़ती कारें भी गर्मी बढ़ाने का सबसे बड़ा कारण बनती जा रही हैं। 2024 में वैश्विक स्तर पर कारों की संख्या 1.475 बिलियन आंकी जा रही है। मसलन प्रत्येक 5.5 व्यक्ति पर एक कार हैं। जो आज कल गांव-गांव प्रदूषण फैलाने का काम कर रही हैं। इन पर भी नियंत्रण जरूरी है।

जेएच कालेज के गलत निर्णय ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ों आदिवासी छात्र- छात्राएं परेशान

भीमपुर कालेज प्रबंधन ने भी छात्र हित में नहीं की पहल

बैतूल। जिले के अग्रणी जयंती हक्सर महाविद्यालय प्रबंधन के एक अदूरदर्शिता पूर्ण निर्णय से शासकीय महाविद्यालय भीमपुर के सैकड़ों ग्रामीण छात्र छात्राओं को मुसीबत मे डाल दिया है। दरअसल बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जा रही स्नातक प्रथम वर्ष के परीक्षार्थियों के लिए जेएच कालेज प्राचार्य की अनुशंसा पर भीमपुर कालेज के छात्र छात्राओं को चिचोली के प्राइवेट कालेज मे परीक्षा उपकेंद्र बनाकर परीक्षा मे शामिल होने का फरमान जारी कर दिया गया है.इससे सैकड़ों आदिवासी छात्र छात्राओं की परेशानियां बढ़ गई हैं।

पहली बार भीमपुर के विद्यार्थियों को मिला चिचोली सेंटर

जानकारी के मुताबिक शासकीय महाविद्यालय भीमपुर के छात्र-छात्राओं को परीक्षा के लिए जयवंती हक्सर शासकीय महाविद्यालय में शामिल कराया जाता रहा है। लेकिन इस सत्र में बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय द्वारा पहली बार आयोजित की जा रही प्रथम वर्ष की परीक्षा के लिए भीमपुर के छात्र-छात्राओं को जेएच महाविद्यालय का परीक्षा केंद्र आवंटित नहीं किया गया है। इसके बदले में भीमपुर से 20 किलोमीटर दूर चिचोली ब्लॉक मुख्यालय पर संचालित एक प्राइवेट कॉलेज को परीक्षा उपकेंद्र बनाकर भीमपुर के छात्र-छात्राओं को इस केंद्र पर शामिल होने का फरमान जारी किया गया है। सूत्रों के मुताबिक यह कार्यवाही जेएच कॉलेज की प्राचार्य की अनुशंसा पर की गई है। इस विषय मे प्राचार्य का कहना है कि उन्होंने भीमपुर के छात्र-छात्राओं की दूरी कम करने के उद्देश्य से चिचोली में परीक्षा केंद्र बनाने की अनुशंसा की थी. बस इसी वजह से बच्चों के सामने कई परेशानियां खड़ी हो गई हैं।बताया जा रहा है कि भीमपुर कालेज वर्तमान में माडल स्कूल में संचालित हो रहा है और यहां पर बच्चों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है। ऐसे में यदि उनका सेंटर भीमपुर ही किया जाता तो बच्चों को परेशानी नहीं होती। अब सेंटर चिचोली करने से बच्चों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है . सुबह बस की सुविधा नहीं होने से छात्र-छात्राएं रिस्क लेकर निजी वाहनों से चिचोली पहुंच रहे हैं।

चिचोली में नहीं हैं सुविधाएं

पालकों का कहना है कि जेएच कालेज सेंटर होने से एक दिन पहले हम लोग वहां पर रहने की व्यवस्था बना लेते थे ताकि बच्चों को परेशानी न हो। चिचोली में इस तरह से व्यवस्था बनाना बेहद मुश्किल है,क्योंकि वहां पर सुविधाएं नहीं है।पालकों ने नाराजगी जाहिर करते हुए बताया कि भीमपुर क्षेत्र के आदिवासी छात्र-छात्राओं पर अन्यायपूर्ण तरीके से यह परीक्षा केंद्र थोपा गया है। पालकों का कहना था कि भीमपुर में वर्तमान में जिस स्कूल में महाविद्यालय संचालित हो रहा है वहां भी परीक्षा कराने की सारी व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं फिर भी भीमपुर प्राचार्य ने छात्र हित में कोई पहल न करते हुए छात्र छात्राओं को चिचोली उपकेंद्र पर परीक्षा देने को मजबूर किया है। पालकों ने ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की इस समस्या से जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं होने से पालकों ने जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी जाहिर की है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत कर भाजपा ने मनाया डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस

देवास। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 23 जून को प्रारंभ किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान का भाजपा जिला देवास द्वारा उक्त अभियान की शुरुआत आज देवास में की गई। इस अवसर पर श्री शीलनाथ धूनी मल्हार पर प्रात: 11 बजे समस्त जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर देवास-शाजापुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी एवं देवास भाजपा जिला अध्यक्ष राजीव खंडेलवाल ने डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्री खंडेलवाल ने कहा कि महानायक है डॉक्टर मुखर्जी। देश की बड़ी चुनौतियों के खिलाफ अपनी भूमिका निभाई। कश्मीर, बंगाल की चुनौतियों का सामना किया। कश्मीर के लिए जो कहा वह करके दिखाया। मुखर्जी और पंडित दीनदयाल की मौत के लिए कौन जिम्मेदार इस बात को दबाया गया। 370 के कलंक को पीएम नरेंद्र मोदी ने धोया है। डा. मुखर्जी ने 370 हटाने के लिए बलिदान दिया। आज भाजपा सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। देश के विकास का आज हम सब संकल्प लेते हैं। यही मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। देवास जिले में पांचो विधानसभा में 5,00,000 पौधे का लक्ष्य भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ताओं ने लिया है। इस अवसर पर पौधारोपण की शुरुआत भी की गई और सभी ने एक-एक पौधा भी लगाया। उक्त कार्यक्रम में देवास-शाजापुर सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव खंडेलवाल, महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष लीला भैरूसिंह अटारिया, पूर्व प्राधिकरण अध्यक्ष राजेश यादव, रायसिंह सेंधव, सुभाष शर्मा, रवि जैन, अजीत भल्ला, भैरूसिंह अटारिया, दुर्गेश अग्रवाल, शरद पाचुनकर, मनीष सोलंकी, पंकज वर्मा, जितेंद्र सेंधव, गणेश पटेल, सचिन जोशी, विजय सिंह जनोयखेड़ी, अजय तोमर, ओम जोशी, भारतसिंह पटलावदा, कुलदीप पटेल, सोहन सिंह चौहान, राहुल गोस्वामी, गणेश पटेल नावदा, सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता कार्यकर्ता जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कब होंगे ताप्ती, शनि सरोवर के घाट संरक्षण के प्रयास, जर्जर हुए घाट, ढहने की कगार पर दीवारें

शनि सरोवर के घाट और ताप्ती सरोवर की दीवारों पर मंडरा रहा है संकट

मुलताई/बैतूल। ताप्ती एवं शनि सरोवर जहां मुलताई नगर के जल स्त्रोतों का आधार है, वही नागरिकों की आस्था का केंद्र भी है किंतु इसके बावजूद घाट के सुधार और संरक्षण को लेकर ना तो राजनीतिक दल के नेता गंभीर दिखाई देते हैं और ना ही नगर प्रशासन। स्थिति यह है कि ताप्ती सरोवर के घाटों की स्थिति निरंतर बिगड़ती जा रही है। जानकार बताते हैं कि अगर घाट संरक्षण की अनदेखी का यही आलम रहा तो ताप्ती घाट एवं शनि सरोवर का बड़ा भाग ढह सकता है। गजानन मंदिर के सामने जुलूस गेट के पास ताप्ती घाट की दीवार का बड़ा हिस्सा बाहर आ गया है, जहां जगह-जगह दरारें पड़ गई है। जानकार बताते हैं कि यह स्थिति लंबे समय से है। अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो इस दीवार का बड़ा भाग ढ़ह सकता है। जिसके कारण बड़ा नुकसान हो सकता है। ताप्ती सरोवर के गेट वाले भाग के पास से दसवां घाट के मध्य में ताप्ती सरोवर के पश्चिम भाग वाली दीवार जिससे मुख्य मार्ग जुड़ा है का लगभग डेढ़ सौ मीटर दीवार का भाग पूरब की ओर बाहर आ गया है। किसी बड़े हादसे की संभावनाओं को देखते हुए कई बार नगर पालिका के कर्मचारी ने भी इसकी लिखित सूचना नगर पालिका को दी है। कुछ जनप्रतिनिधि एवं पूर्व पार्षद भी निरंतर घाट निर्माण की मांग करते रहे हैं किंतु कोई नतीजा नहीं निकला।

शनि सरोवर के घाट, सुलुश गेट के टॉप का जर्जर होना हो सकता है खतरनाक- ताप्ती सरोवर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए ताप्ती सरोवर के जल में प्रतिमा, भुजरिया विसर्जन पर प्रतिबंध लगाया गया है ।जिसके कारण धार्मिक आयोजनों में शनि सरोवर की उपयोगिता महत्वपूर्ण हो गई है किंतु बीते कुछ वर्षों में शनि सरोवर का गजानन मंदिर से लेकर छोटे तालाब की पुलिया तक के घाट जिस रफ्तार से जर्जर हुए हैं वह चिंता का विषय है। और समस्या यह भी है कि घाटों को इस वर्ष सुधारा जाना अब संभव भी नहीं है। जानकार बताते हैं कि जिस रफ्तार से घाटों की स्थिति बिगड़ी है अगर इस वर्षाकाल में हेवी रेनफॉल होता है तो यह शनि सरोवर के लिए ही नहीं, बल्कि नगर के लिए भी खतरनाक हो सकता है। इसके साथ ही गजानन मंदिर के सामने सुलुश गेट का ऊपरी टॉप क्षतिग्रस्त हो गया है निचले भाग में लोहा जंग खाकर खराब हो गया है। इंजीनियरों ने एक वर्ष पूर्व ही इस पुलिया को लेकर चेतावनी दी थी, किंतु नगर प्रशासन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। मात्र जांच और सर्वे होकर बात खत्म हो गई।

वर्षों से अधूरा पड़ा है करबला घाट- कर्बला घाट का बड़ा हिस्सा पूर्व में ढह गया था इसके बाद नगर पालिका ने इस घाट का निर्माण किया किंतु यह घाट का कार्य पूरा नहीं हो सका कई परिषद आई और गई किंतु 20 वर्षों में कर्बला घाट का अधूरा कार्य कभी पूरा नहीं हो सका । इस अधूरे घाट पर गंदगी का अंबार लगा रहता है अधूरे पड़े इस घाट पर जाने की व्यवस्था नहीं है अन्यथा इससे कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है। क्योंकि ऊपरी भाग अधूरा है और नीचे घाट निर्माण कर दिया गया है। वर्षा काल में जब सरोवर लबालब भरा रहता है अगर कोई व्यक्ति इस घाट पर जाने का प्रयास करें तो सरोवर में पैर फिसल सकता है।

जब चुनाव आते हैं तभी याद आती है मां ताप्ती- पूर्व भाजपा पार्षद हनी सरदार कहते हैं कि लोगों को मां ताप्ती की याद चुनाव के समय ही आती है। उसके बाद मां ताप्ती से जुड़े विकास कार्य याद नहीं आते। राजनीतिक लोग सिर्फ अपने राजनीतिक फायदे के लिए ही मां ताप्ती के नाम का उपयोग करते हैं। 7 साल पहले हमने कर्बला घाट के सुधार कार्य का प्रस्ताव पारित करवाया था। जिस पर अब तक कार्यवाही नहीं हुई जब जब वरिष्ठ अधिकारी आए या बड़े नेता हम लोगों ने ताप्ती के घाटों के संरक्षण का मामला उठाया ।

इनका कहना-

ताप्ती सरोवर एवं शनि सरोवर के घाट के सुधार की योजना बनाई जा रही है। जहां सुधार किया जाना चाहिए, उसके एस्टीमेट भी बनाए जा रहे हैं ।

-आर.के.इवनाती, मुख्य नपा अधिकारी मुलताई

जिला अस्पताल में मानवता फिर शर्मसार, सड़क पर तड़पते रहे प्रसूता और शिशु

अस्पताल छोड़कर भागा एम्बुलेंस चालक, गार्ड और वार्ड बॉय भी लेते रहे नींद

बैतूल। सरकारी जिला अस्पताल में एक बार फिर मानवता को शर्मसार करने वाली घटना घटित हुई है। रात्रि 2 बजे प्रसूता और नवजात शिशु को एम्बुलेंस चालक सड़क पर ही छोड़कर भाग खड़ा हुआ तो अस्पताल के गार्ड और वार्ड बाय सोते रहे। करीब आधे घंटे प्रसूता और शिशु सड़क पर पड़े रहे। इसके बाद लोग उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे। दरअसल चिचोली से एक नवजात और प्रसूता मीना सुरजाय पति विजय सुरजाय निवासी माडंवदा चिरापाटला को बैतूल जिला चिकित्सालय रेफर किया था। रात 2 बजे बैतूल जिला चिकित्सालय पहुंचा एम्बुलेंस चालक प्रसूता और नवजात शिशु को सड़क पर ही छोड़कर भाग खड़ा हुआ। बताया जा रहा है कि प्रसूता की हालत गंभीर होने के बावजूद वह सड़क पर पड़ी रही। वहीं नवजात बच्चा भी तड़पता रहा पर किसी भी अस्पताल स्टाफ या सिक्योरिटी गार्ड की निगाह उन पर नहीं पड़ी। लोगों की नजर पड़ी तो उन्होंने प्रसूता को बमुश्किल उठाकर वार्ड में लेकर पहुंचे और शिशु को एसएनसीयू में भर्ती किया गया। शिशु और प्रसूता दोनों का उपचार चल रहा है ।

सवाल यह उठता है कि बैतूल जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाएं आखिर कब सुधरेगी। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने सख्त निर्देश दिए हुए हैं, उसके बावजूद भी बैतूल जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाएं इंसानियत को शर्मसार करने वाली है। जिले भर से आने वाली प्रसूता जब एंबुलेंस से आती है तो उन्हें ट्रामा सेंटर पर उतारने तक के लिए कोई प्रशिक्षित स्टाफ मौजूद नहीं रहता। मजबूरी में परिजनों को ही गर्भवती महिला को अपनी सुविधा के अनुसार दूसरे फ्लोर पर ले जाना पड़ता हैं। बैतूल जिला चिकित्सालय में इन कामों के लिए अच्छी खासी संख्या में वार्ड बॉय और आया रखी है, लेकिन यह सब केवल वेतन लेने तक ही सीमित हैं। बैतूल जिला चिकित्सालय में सुरक्षा के लिए सिक्योरिटी गार्ड की व्यवस्था की गई है, परंतु जैसे ही रात होती है सिक्योरिटी गार्ड बिस्तर लगाकर सोते हैं। जिला चिकित्सालय प्रांगण में या जिला चिकित्सालय भवन में क्या हो रहा है उन्हें उससे कोई मतलब नहीं इन सब व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए बैतूल जिला चिकित्सालय के अधिकारियों को मजबूत होना जरूरी है ,अन्यथा बैतूल जिला चिकित्सालय में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना आए दिन घटती ही रहेगी।

इनका कहना

मेरे संज्ञान में यह मामला नहीं है। यदि ऐसा हुआ है तो गलत है। रात्रि में जिन कर्मचारियों की ड्यूटी लगी थी उनसे पूछताछ करेंगे।

-डॉ अशोक बारंगा,
सीएस जिला चिकित्सालय बैतूल

पानी संचय करना और बचाना हम सबकी प्राथमिक जरूरत- कहा विधायक राजे ने

देवास। देश के अलग अलग हिस्सों से इन दिनों जिस तरह पानी की कमी के समाचार सामने आ रहे है हमें वे बीते दिन याद आते है जब हमारे अपने शहर के लोग भी जल संकट का सामना कर रहे थे। स्व महाराज साहेब के समय में रेल से देवास के नागरिकों के लिए पानी लाया गया था ये भी सबको याद होगा । आज फिर समय कि मांग है कि दिनों दिन कम होते पानी और बढ़ती जरूरतों को देखते हुए हम सबको पानी संचय के प्रयासों को प्राथमिकता पर अपनाना होगा। ये बात विधायक गायत्री राजे पवार ने कही।विधायक राजे, भाजपा नेत्री मनीषा बापना के निवास पर अमृत संचय अभियान के तहत लगे पहले वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के अवलोकन के लिए उपस्थित थीं।

शहर में इन दिनों प्रशासन,निगम और सामाजिक संस्थाओं के द्वारा सामूहिक रूप से चलाए जा रहे अमृत संचय अभियान के भूजलविद् सुनील चतुर्वेदी ने अपनी बात रखते हुए उपस्थितों को विस्तार से यह बताया कि आने वाले सालों में पानी की कमी और बढ़ती मांग के बीच पानी बचाना क्यों जरूरी है।शहर में व्यक्तिगत और सामुहिक प्रयासों से वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से करोड़ों लीटर पानी बचाया जा सकता है।

कार्यक्रम में उपस्थित जिलाधीश ऋषव गुप्ता ने दिल्ली,बैगलोर में पानी की कमी से जूझते लोगों के उदाहरण के साथ यह कहा कि आने वाले समय में पानी की कमी का निदान भी हम सबके पास है । हम बारिश के मौसम में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का उपयोग कर के वर्षा जल संचय करके जिले का जल स्तर बढ़ा सकते है। साथ ही पानी का अपव्यय रोक कर भविष्य को सुरक्षित कर सकते है। कार्यक्रम में महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि भरत चौधरी,ओम जोशी भी उपस्थित थे । आरंभ में श्री और श्रीमती बापना द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर अमृत संचय अभियान के मोहन वर्मा, श्रीकांत उपाध्याय,विपिन पंड्या,गंगासिह सोलंकी,सफिया कुरैशी सहित अनेक लोग उपस्थित थे । उल्लेखनीय है कि अमृत संचय अभियान में जनजागरण हेतु सोमवार को एक साइकिल रैली का आयोजन भी किया जा रहा है जो शाम पांच बजे ज्वाहरचौक से प्रारंभ होकर पायोनियर स्कूल पहुंचेगी जहां जिलाधीश के साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारी और राजनेता इसका समापन करेंगे।

दो बूंद जिंदगी की पिलाकर पल्स पोलियो अभियान का किया शुभारंभ

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा रविवार को जिले में राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रविकांत उईके ने बताया कि नपाध्यक्ष बैतूल पार्वती बाई बारस्कर एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे द्वारा जिला चिकित्सालय परिसर के नवीन भवन में प्रात: 7.30 बजे नवजात शिशुओं को पीलिया की दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के प्रारंभ में कु.हर्षा पिता अजय खरे, कु.प्रीति पिता राहुल राठौर, कु. माया पिता अजय खरे, प्रियांशु पिता दर्शन पंद्राम को दो बूंद जिंदगी की पोलियो की खुराक दी गई। प्रथम दिवस रविवार को लगभग 1 लाख 18 हजार 216 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई।

मुख्यमंत्री के अपील का किया वाचन- नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अर्द्ध शासकीय पत्र की अपील 0 से 5 वर्ष का एक भी बच्चा पोलियो खुराक लेने से न छूटे ऐसा प्रयास करें, टीकाकरण चाही गई आवश्यकता हो थोपी गई नहीं के प्रसार का सार्थक प्रयास करें का वाचन किया गया।

पोलियो पिलाकर बच्चों को विकलांग होने से बचाएं- नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती बारस्कर ने कहा कि राष्ट्रीय पल्स

पोलियो अभियान में 0 से 5 वर्ष आयु के बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ में जाकर दो बूंद जिंदगी की अवश्य पिलाएं और जिले को पोलियो मुक्त बनाए रखने में अपना योगदान दें। जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे ने कहा कि दो बूंद जिंदगी की पिलाकर अपने बच्चों को विकलांग होने से बचाएं एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्राम पंचायत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता ऐसा प्रयास करें कि कोई भी बच्चा छूट न पाये।

पोलियो की दवा से बढ़ती है रोग प्रतिरोधक क्षमता, 1 लाख 68 हजार 416 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य- डॉ. उइके ने बताया कि पोलियो एक गंभीर बीमारी है, जो वायरस के कारण होती है, आसपास के पड़ोसी देशों में पोलियो के केस मिल रहें हैं, इसलिये हमें बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखना है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.ए के भट्ट ने बताया कि जिले में अभियान 25 जून 2024 तक चलाया जाएगा। अभियान के माध्यम से 0 से 5 वर्ष तक के अनुमानित शहरी क्षेत्र के 22 हजार 904 एवं ग्रामीण क्षेत्र के 1 लाख 45 हजार 512 कुल 1 लाख 68 हजार 416 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि 236 शहरी एवं 1683 ग्रामीण कुल 1909 पोलियो बूथ पर 4036 कर्मचारी द्वारा पोलियो की दवा पिलाने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजीव कहार, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ.अशोक बारंगा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.राजेश परिहार, आरएमओ डॉ.रानू वर्मा, जिला क्षय रोग नियंत्रण अधिकारी डॉ.आनंद मालवीय, एसएमओ डब्ल्यूएचओ डॉ.अविनाश कनेरे, डीपीएम डॉ.विनोद शाक्य, उप जिला मीडिया अधिकारी महेशराम गुबरेले, प्रभारी परिवार कल्याण कार्यक्रम भगत सिंह उइके, हॉस्पिटल मैनेजर दशन पंद्राम, आरबीएसके मैनेजर योगेन्द्र दवंडे, डाटा मैनेजर तापीदास चढ़ोकार, एपीएम शहरी क्षेत्र बैतूल प्रकाश माकोड़े, जिला चिकित्सालय की नर्सिंग ऑफिसर, धात्री माताएं मौजूद रही।

बच्चों की संख्या में वृद्धि के लिए उपहार देकर मनाया पोलियो अभियान

बैतूल। डॉ. जाकिर हुसैन वार्ड में रविवार 23 जून को विशेष पोलियो दवा अभियान आयोजित किया गया। बच्चों के आने पर उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया गया, जिससे आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की संख्या में वृद्धि देखी गई। वार्ड पार्षद नंदिनी तिवारी ने इस अवसर पर कहा, भारत की जनता ने मिलकर हमारे देश से पोलियो को लगभग खदेड़ दिया है। अब हमारा कर्तव्य बनता है कि यह बीमारी फिर से हमारे देश में ना आ पाए। हमें यह सुनिश्चित करना है कि हमारे घर के पास के छोटे बच्चों ने यह दवा पिया है या नहीं। उन्हें दवा पिलाना अत्यंत आवश्यक है। पार्षद नंदनी तिवारी ने बताया कि इस बार के अभियान में खासतौर पर बच्चों को उपहार देकर आंगनवाड़ी केंद्र में बुलाने का प्रयास किया गया। इसने बच्चों और उनके अभिभावकों दोनों को आकर्षित किया और उनकी भागीदारी सुनिश्चित की। नंदनी तिवारी ने इस अवसर पर सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त किया और उनके सहयोग के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर मां शारदा सहायता समिति के शैलेंद्र बिहारिया ने कहा कि पोलियो बच्चो के लिए एक अभिशाप है जिसे जड़ से खत्म करना बेहद जरूरी है। पोलियो के खात्मे के लिए हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह अपने आस-पास के बच्चों की पोलियो दवा सुनिश्चित करे। मां शारदा सहायता समिति व ताप्ती आनंद क्लब द्वारा इस कार्यक्रम में शैलेंद्र बिहारिया, आगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती ज्योति पाटिल, आशा कार्यकर्ता शबाना शेख ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर गुब्बारे व ड्रायफ्रुड बाटे, जिससे बच्चों के चेहरों पर मुस्कान आ गई।

इस्कॉन मंदिर की नींव हो रही मजबूत

नर्मदापुरम। यशोदा माता के संरक्षण में अब एलआईसी दफ्तर के उपर द्वितीय तल स्थित इस्कॉन मंदिर परिवार में छोटे छोटे बच्चे आध्यात्मिक शिक्षा का ककहरा सीख इस्कॉन मंदिर की भविष्य की नींव बन रहे। ये छोटे बच्चे यहां आध्यात्मिक जीवन की उन्नति के लिए संस्कारित गुणों को यशोदा माता की पाठशाला में ग्रहण कर रहे हैं। बच्चे धार्मिक विषयों पर यहां कहानियां का रसास्वादन कर मन में उठने वाले सवालों के जवाब पाकर अपनी उत्कंठा पूरी करते, आज उन्होंने दशावतार की कहानी यशोदा माता से सुनी। कहानी सुनने और जिज्ञासा शांत करते कब समय पंख लगा कर उड़ गया महसूस नहीं हुआ। यशोदा माता के पास बच्चे केवल कहानियां ही नहीं सुन रहे, धार्मिक रीति-रिवाजों सहित जीवन के आचार-व्यवहार की भी शिक्षा ग्रहण कर रहे, अभी कुछ ही दिनों पहले पांच दिवसीय समर केम्प के जरिए बच्चों ने मंदिर में धर्म संबंधी ज्ञान, चित्रकारी, करताल बजाना, मृदंग बजाना, श्लोक कंठस्थ करना, मंदिर में आकर सबसे पहले भगवान को प्रणाली देना जैसे जानकारी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर समर केम्प की सार्थक साबित किया।

वर्षा पूर्व जलभराव और बाढ़ नियंत्रण तैयारी

नर्मदापुरम। प्रति वर्ष अनुसार जल संसाधन विभाग नर्मदा नदी के घाटों किनारे जल सूचकांक हेतु वाटर लेवल की जांच करने के लिये जल स्तर का पैमाना पेंटिंग मार्किंग करवाता है। जिसमें नर्मदा घाट और लेडिया नाले के गेट पर यह कार्य जोखिम भरा और साहसिक है। इस पेंटिंग कार्य के लिए 65 वर्षीय प्रदीप द्विवेदी इस कार्य बरसों से अंजाम दे रहे हैं। उन्हें इस कार्य की महारत हासिल है। बस विभाग द्वारा काम कराने की समयावधि कुछ ठीक नहीं। ऐन मौके पर ऐसे काम पेट की विवशता भी दिखाते हैं जब पहली बारिश होने पर विभाग जागकर फटाफट काम चाहता है। बरसाती दूर्गंध युक्त और उमस भरे वातावरण में इस जटिल कार्य करने की प्रसंशा की जानी चाहिए, लेडिया नाले पर लटकती सीढियों पर यह कार्य नगर के वर्षा से जलभराव को और बाढ के समय शहर में पानी आने के रोकने का यह गेट बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

नवीन पुलिस थाने में योग

सुबह सवेरे सोहागपुर। विगत दिवस सोहागपुर के नवीन थाना परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पुलिसकर्मियों ने योग किया । इस अवसर पर पुलिसकर्मियों ने योग की विभिन्न क्रियाओं को करके अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

केंद्रीय राज्यमंत्री,पूर्व केंद्रीय मंत्री, भाजपा जिला अध्यक्ष,विधायक सहित भाजपाइयों ने बलिदान दिवस पर डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डॉ. मुखर्जी के सपनों को कर रहे साकार : केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर

धार। भाजपा द्वारा पार्टी के संस्थापक सदस्य डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर 23 जून से एक पेड़ माँ के नाम अभियान का आरंभ कर जिले में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं महाराणा प्रताप वाटिका में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर,भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी विधायक नीना वर्मा और कालू सिंह ठाकुर ने श्रद्धांजलि अर्पित कर पौधारोपण किया । इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉक्टर मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, अमर रहे, अमर रहे के नारे लगाए। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री एवं धार लोकसभा सांसद सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को पूरा कर रहे हैं। धारा 370 हटाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि दी है। भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने कहा कि आज के दिन को भारतीय जनता पार्टी डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस के रूप में पूरे देश भर में मना रही है। जिले के सभी बूथ केन्द्रों पर पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं और एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधा रोपण एवं जगह-जगह विचार गोष्ठी भी आयोजित की जा रही है। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर ने बताया कि पार्टी के संस्थापक सदस्य डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस से 6 जुलाई तक एक पेड़ माँ के नाम अभियान बूथ स्तर तक चलाया जाएंगा। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रभु राठौर, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री दिलीप पटोंदिया, डॉ शरद विजयवर्गीय, जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे, नरेश राजपुरोहित, धार नगर मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर और नितेश अग्रवाल भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, पौधारोपण कार्यक्रम प्रभारी रतनलाल पाटीदार, अनिल जैन बाबा दीपक शर्मा, शिव पटेल, नगर महामंत्री राजेश डाबी, जयराज देवड़ा, सनी होड़ा, गौरव जाट, बसंतीलाल जैन, राजेश जोशी,अनिल गहलोत, अनिल यादव, हुकुम लश्करी, सोनिया राठौर, पर्वत सूर्यवंशी, प्रभात कुमार गुप्ता भय्यूराम अजय राठौर, विजय गवली, नितेश राठौर, कन्हैया ठाकुर, नागेंद्र पाल, शांतिलाल शर्मा,अंकित जैन, देवेंद्र रावल, निशा शर्मा, मीना दुबे, रीमा राठौर, सौरभ त्रिपाठी, मनोहर लोहार,नितिन चौहान,अतुल फकीरा, शफीक जमा खान,देवांग पंवार, हरीश आर्य, जगदीश सोनी, घनश्याम सोलंकी,सुरेश प्रजापत साबिर खान सलमान खान, मनोज जैन मनोज प्रजापत पप्पू डामोर सहित सैकड़ो कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने उपस्थित रहकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी।

जिले के 8 खाद्य कारोबारियों पर 1.50 लाख रुपये का जुर्माना अधिरोपित

नरसिंहपुर। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरूद्ध दायर प्रकरणों में न्यायालय अपर कलेक्टर एवं न्याय निर्णयन अधिकारी नरसिंहपुर ने जिले के 8 खाद्य कारोबारियों के विरूद्ध कुल एक लाख 50 हजार रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया है। न्यायालय अपर कलेक्टर एवं न्याय निर्णयन अधिकारी नरसिंहपुर ने गुड़ भट्टी रांकई-करेली के प्रदीप कुमार पटैल पर 10 हजार रुपये, गाडरवारा के शानू अवस्थी एवं अन्य पर 25 हजार रुपये, राजस्थान मिष्ठान भंडार गाडरवारा के ईश्वर सिंह पर 20 हजार रुपये, कुरू वंशी चिल्ड वाटर प्लांट गाडरवारा के प्रशांत पटैल पर 5 हजार रुपये, राधिका आईसक्रीम गाडरवारा के अनिल मोहता पर 15 हजार रुपये, खोवा वाले ग्राम सिंहपुरबड़ा के विजया चौकसे पर 25 हजार रुपये, खालसा डेयरी करेली के तरनमीत सिंह पर 25 हजार रुपये और श्रीराम दूध डेयरी करेली के चंद्रकॉत पड़धरिया पर 25 हजार रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया है।

मंत्री श्री सिंह ने लोलरी में पल्स पोलियो की दवा पिलाकर किया अभियान का शुभारंभ

नरसिंहपुर। जिले के ग्राम लोलरी में प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। सामुदायिक स्वास्थ केंद्र गोटेगांव में विधायक श्री महेन्द्र नागेश ने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई। अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी 5 वर्ष तक के बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाई।

जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार, सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश बोहरे, सिविल सर्जन डॉ. मुकेश जैन, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुनील पटैल ने 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई। जिले में यह अभियान 25 जून तक चलाया जायेगा। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशिक्षित टीम द्वारा बूथ, बस स्टेंड, रेलवे स्टेशन, प्रमुख चौराहा, प्रायमरी स्कूलों, आँगनबाड़ी केन्द्रों में जाकर 5 वर्ष तक बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर सुरक्षित करेंगे। एक भी बच्चा- एक भी परिवार न छूटे ऐसा प्रयास किया जा रहा है।

मोबाईल दल घुमक्कड आबादी, बंजारा बस्ती, ईट भटटा, शुगर मिल, गुड भटटी, निर्माणधीन, मजदूर परिवार आदि सुदूर स्थलों में भी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा रही है। आम नागरिकों से अपील की गई है कि अपने 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर सुरक्षित एवं स्वस्थ्य भविष्य दिलाने में नहीं चूके। इस कार्य में स्वप्रेरित सम्मिलित हों और 05 वर्ष के बच्चों को पोलियों की दवा अवश्य पिलवायें।

गुरू नानक टेकरी परिसर में कराटे का प्रशिक्षण

हीरालाल गोलानी सोहागपुर

सोहागपुर से रेवाबनखेड़ी मार्ग पर स्थित गुरू नानक टेकरी पर गुरू सिंह सभा पिपरिया के तत्वावधान में गुरू नानक पब्लिक स्कूल विगत वर्षो से संचालित है। जिसमें निम्न शुल्क पर छात्र ,छात्राओं को शिक्षा प्रदान की जाती है। वर्तमान में करीबन दौ सौ छात्र अध्ययन रत हैं। उल्लेखनीय है कि इसी स्थल पर सिख समुदाय के गुरू नानक देव जी का सोहागपुर में दो बार आगमन हुआ था।इसी कारण इस पवित्र भूमि पर भंडारे का आयोजन गुरू सिंह सभा पिपरिया के संयोजन में समय-समय पर किया जाता है। ज्ञातव्य है कि ज्ञानी सुरजीत सिंह गुरू नानक टेकरी, मुख्य बाजार में स्थित प्राचीन गुरूद्वारा के अलावा गुरू नानक पब्लिक स्कूल की देख रेख करते हैं। इसी तारतम्य में विगत एक वर्ष से गुरू नानक टेकरी पर छोटे छोटे भैया बहनों

को कराटे का प्रशिक्षण गुरू नानक एकोडमी के माध्यम से प्रदान किया जा रहा है। ज्ञानी सुरजीत सिंह ने बताया कि गुरू नानक एकोडमी में इस समय 21भैया बहनें प्रशिक्षण ले रहे हैं। उनको राखी सराठे एवं महक सराठे प्रशिक्षण प्रदान करती हैं। जिसमें कराटे की विभिन्न क्रियाओं का संयोजन होता है। इस अवसर पर ज्ञानी सुरजीत सिंह के अलावा गुरदीप सिंह मल्होत्रा पिपरिया , भाई साहिब भाई भगवान सिंघ जी खोजी , गुरूदास सिंह पटियाला आदि उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि जहां-जहां पड़े चरन गुरू नानक देव जी के स्थानों की वीडियोग्राफी के साथ उन स्थलों पर चल रही गतिविधियों को भी भाई साहब पटियाला ने सहेजा।

एमपीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा संबंधी पर्यवेक्षकों का उन्मुखीकरण

पांच परीक्षा केंद्रों पर 2161 परीक्षार्थी होंगे शामिल

नरसिंहपुर। मप्र लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा- 2024 का आयोजन 23 जून को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं दोपहर 2.15 बजे से सायं 4.15 बजे तक दो सत्रों में आयोजित किया जायेगा। जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर, शासकीय नेहरू उच्चतर माध्यमिक शाला नरसिंहपुर, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक शाला नरसिंहपुर, शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला नरसिंहपुर व शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर को परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। इन परीक्षा केन्द्रों में जिले के 2161 परीक्षार्थी शामिल होंगे। शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान महिला विद्यालय नरसिंहपुर के लिए प्राचार्य श्रीमती कृष्णा शर्मा, शासकीय नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शाला नरसिंहपुर के लिए प्राचार्य डॉ. अश्वनी कुमार चौबे, शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकेंडरी स्कूल नरसिंहपुर के लिए प्राचार्य श्री जीएस पटैल, शासकीय एमएलबी कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल नरसिंहपुर के लिए प्राचार्य श्रीमती आशा नेमा और शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर के लिए प्राचार्य डॉ. ममता शर्मा को केन्द्राध्यक्ष बनाया गया है। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में परीक्षा के सफल आयोजन के लिए उन्मुखीकरण प्रशिक्षण दिया गया। प्राचार्य द्वारा निर्धारित समय पर केंद्र पर विक्षकों की उपस्थिति के लिए निर्देश दिये। केंद्रीय पर्यवेक्षक प्रो. डॉ. आलोक तिवारी ने परीक्षार्थी को कक्ष में प्रवेश के पूर्व वीक्षक यह सुनिश्चित करेगा कि परीक्षार्थी उसी कक्ष का है कि नही। परीक्षा केंद्र प्रबंधक डॉ. अशोक उदेनिया ने मप्र लोक सेवा आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देश को परीक्षा के दौरान पूर्णतः पालन करने को कहा। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों के कक्ष में जाने के पूर्व वीक्षक द्वारा परीक्षार्थियों की तलाशी ली जावेगी। परीक्षार्थी अपने कपड़ों, कफलींक, धूप के चश्मा, जूते- मोजे, हाथ के बेंड, हाथ में बंधे बंधन आदि में नाना प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक डिवाईस पहनकर परीक्षा केन्द्र में न जावे। परीक्षा में किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक डिवाईस उपयोग को रोकने के लिए परीक्षा कक्ष में प्रवेश वर्जित होगा। परीक्षा में मोबाइल, केल्कुलेटर इत्यादि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पठन सामग्री एवं वर्जित वस्तुयें लेकर नहीं आवे। परीक्षार्थी चप्पल व सेंडल पहनकर आ सकते हैं। चेहरे को ढककर परीक्षा कक्ष में प्रवेश वर्जित होगा।

20 लाख रुपए के साथ दो अंतर्राज्यीय चोर पुलिस की पकड़ में

नरसिंहपुर। पुलिस अधीक्षक, श्री अमित कुमार के कुशल नेतृत्व में थाना स्टेशनगंज पुलिस को बड़ी सफलता, मुंबई महाराष्ट्र से चोरी की गई इनोवा कार कीमती 20 लाख रुपए के साथ दो अंतर्राज्यीय चोर पुलिस की पकड में।*दिनांक 20.6.2024 को विश्वस्त सूत्र से सूचना प्राप्त हुई की दो व्यक्ति दादा महाराज मंदिर के पास एक इनोवा कर क्रमांक एमएच 06 जे 9303 बेचने की बात कर रहे हैं जो चोरी कि होने की संभावना है। मुखबिर की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंची तो पुलिस टीम को देखकर दोनों संदिग्ध व्यक्ति कार को लेकर भागने का प्रयास करने लगे पुलिस टीम द्वारा सूझबूझ के साथ आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई जो उक्त कर को मुंबई के कोलाबा इलाके से माह अप्रैल 2024 में चोरी कर लाना बताये। आरोपी दिग्विजय प्यासी एवं भरत सेन को मौके पर अभिरक्षा में लेकर उनके विरूद्ध इस्त. क्र. 01/2024 धारा 41 (1-4) जा. फौ. 379 भादवि का अपराध पंजीबद्ध किया जाकर पुलिस थाना कुलाबा मुंबई महाराष्ट्र पुलिस को सूचना दी गई जहां पर उक्त कार के चोरी होने के संबंध में अपराध क्रमांक 77/2024 धारा 379 भादवि अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध दिनांक 07.04.2024 को पंजीबद होना पाया गया।

भोपाल में एक्सयूवी और जीप की टक्कर, एक की मौत

5 घायल, एयरबैग खुलने से एक्सयूवी में सवार युवकों की बची जान

भोपाल (नप्र)। भोपाल के एयरपोर्ट रोड पर तेज रफ्तार एक्सयूवी ने पीछे से जीप को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में जीप पलट गई। इसके नीचे दबने से एक युवक की मौत हो गई। पांच अन्य को चोटों आई हैं। इनमें से एक की हालत नाजुक बनी हुई है। एक्सयूवी के एयर बैग खुलने से उसमें सवार चालक सहित एक अन्य की जान बच गई। हादसे के बाद एक्सयूवी चालक गाड़ी को मौके पर छोड़ गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्ट्म के बाद परिजनों के हवाले कर दिया है। कोहेफिजा पुलिस के मुताबिक अशफाक मुस्तफा (35) इमामी गेट का रहने वाले थे। वह लाइट फिटिंग की ठेकेदारी करते थे। शनिवार की रात 12:30 बजे अपने साथी जहूर, अनीस, मजहर, गुड्डू व एक अन्य के साथ चाय पीने परवलिया के रंगला पंजाब ढाबा जा रहे थे। एयरपोर्ट रोड पर मनुआभान

टेकरी के लिए जाने वाली सड़क के ठीक सामने पीछे से आ रही तेज रफ्तार एक्सयूवी कार ने उनकी कार को टक्कर मार दी। इससे जीप पलट गई, हादसे में अशफाक की जीप के नीचे दबने से मौत हो गई। मामले की जांच की जा रही है।

देर रात तक दोस्तों के साथ रहता था अशफाक: मृतक के बड़े भाई अखलाक ने बताया कि अशफाक सहित हम तीन भाई थे। वह दूसरे नंबर का था, उसकी शादी अभी नहीं हुई थी। दिन भर काम के बाद रात के समय वह दोस्तों के साथ अकसर शहरी सीमाओं पर बने ढाबे पर चला जाया करता था। रंगला पंजाब ढाबे पर जाने के लिए दोस्त की जीप से निकला था। रास्ते में एक्सयूवी ने पीछे से टक्कर मारी, इससे जीप पलटने के बाद सभी दोस्त दब गए थे। हादसे में अशफाक की मौत हो गई।

जहूर की हालत नाजुक

अखलाक ने बताया कि हादसे में जहूर भाई को गंभीर चोट आई हैं। उनके सिर की हड्डी क्रैक हो गई है, शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोट है। उनकी हालत बेहद नाजुक और अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। जबकि अन्य दोस्तों को चोटे हैं लेकिन सभी खतरे से बाहर हैं। घटना के बाद हम स्पॉट पर पहुंचे थे। जहां एक्सयूवी भी खड़ी दिखी थी। जिसके एयर बैग खुले थे।

भोपाल में मारपीट में घायल युवक की मौत

- 10 दिन पहले अगवा कर बदमाशों ने चलती गाड़ी से फेंका, इलाज के दौरान तोड़ा दम

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पिपलानी इलाके में एक युवक के अपहरण का मामला सामने आया है। चलती गाड़ी में उससे मारपीट करते रहे और बाद में गंभीर हालत में उसे चलती गाड़ी से फेंककर फरार हो गए। घटना 10 दिन पहले 13 जून की है। तब से उसका एम्स में उपचार चल रहा था। जहां शनिवार को भर्ती युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने अपहरण और हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था।युवक की मौत के बाद पुलिस आरोपियों के खिलाफ हत्या की धारा बढ़ाने की तैयारी कर रही है। मेडिकल रिपोर्ट में पता चला कि उसे गंभीर चोट आई थीं। थाना प्रभारी अनुराग लाल ने बताया कि चांदमारी झुग्गी पिपलानी निवासी श्रवण कुमार (45) मेहनत-मजदूरी करता था। रत्नागिरी में विदेशी शराब का संचालन करने वाले कर्मचारियों को उस पर संदेह था कि वह शराब का अवैध कारोबार करता है।

जिला भाजपा कार्यालय में मनाया गया डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस

नरसिंहपुर। जिला भाजपा कार्यालय नरसिंहपुर में जनसंघ के संस्थापक सदस्य डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया गया इस अवसर पर कार्यालय में स्थापित पं.दीनदयाल उपाध्याय व श्यामाप्रसाद मुखर्जी की मूर्तियों पर माल्यार्पण कर नमन किया तत्पश्चात आयोजित संगोष्ठि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटैल ने कहा कि जनसंघ के संस्थापक डॉ.मुखर्जी का आज बलिदान दिवस है सरदार बल्लभ भाई पटेल ने देश की पूरी रियासतो को एक साथ जोड़ा वही दूसरी ओर कांग्रेस ने अपनी स्वार्थ सिद्धी हेतु कुछ लोगो के दबाव में कश्मीर में मनमाना समझौता कर इसे अखण्ड भारत का हिस्सा नही बना पाए और कश्मीर व भारत के अन्य राज्यों हेतु अलग अलग नियम बनाए। इस कृत्य का विरोध स्वतंत्र भारत में सबसे पहले डॉ.मुखर्जी द्वारा किया गया। जिन्होंने कश्मीर से विरोधाभासी नियमों की समाप्ति हेतु लंबा संघर्ष करते हुए मंत्री पद से इस्तीफा दिया और एक देश में दो निशान दो प्रधान का विरोध करते हुए इस नारे को बुलंद किया उनका यह सपना जीते जी तो पूरा नही हो पाया मगर आजादी के 70 साल बाद देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने 2019 में संसद में संविधान की धारा 370 व 35 ए को समाप्त कर स्वर्गीय मुखर्जी जी को

अपनी सच्ची श्रद्धांजली अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी ने कहा कि तत्कालीन नेहरू सरकार में उद्योग मंत्री रहते हुए उन्होने अपने पद प्रतिष्ठा की चिंता न करते हुए सरकार से अपना त्यागपत्र दिया और संपूर्ण भारत में काश्मीर के मुददे पर क्रांति खड़ी करी।

भस्म आरती के लिए 14 हजार लेकर फोन बंद किया

• मुंबई के श्रद्धालुओं ने की महाकाल मंदिर के सुरक्षा सुपरवाइजर की शिकायत; हटाया गया

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन के महाकाल मंदिर में भस्म आरती के नाम पर एक बार फिर ठगी का मामला सामने आया है। इस बार आरोप मंदिर के सुरक्षा सुपरवाइजर पर लगा है। उसने मुंबई से आए श्रद्धालुओं से भस्म आरती में शामिल कराने के लिए 14 हजार रुपए लिए थे। जांच के बाद मंदिर प्रबंधन समिति ने उसे हटा दिया है। भक्तों से रुपए लेने का मामला शुक्रवार का है। श्रद्धालुओं ने शनिवार को शिकायत की थी। इस पर रविवार को एक्शन लिया गया। मंदिर प्रबंधन समिति के अनुसार, मुंबई से आए 14 श्रद्धालु बाबा की भस्म आरती में शामिल होना चाहते थे। उन्हें इस तरह की बातें करते हुए मंदिर में तैनात सुरक्षा एजेंसी के सुपरवाइजर सूरज गोमे ने सुन लिया। उसने कहा कि वह प्रति व्यक्ति एक हजार रुपए में भस्म आरती में शामिल करा देगा। श्रद्धालुओं ने उससे पैसे कम करने की बात कही लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद श्रद्धालुओं ने उसे 14 हजार रुपए दे दिए। गोमे ने उन्हें अगले दिन सुबह आने के लिए कहा। श्रद्धालुओं ने कहा कि वे उससे कैसे संपर्क करेंगे? इस पर गोमे ने उन्हें अपना मोबाइल नंबर दे दिया। सुरक्षा सुपरवाइजर सूरज गोमे ने भस्म आरती में शामिल कराने के नाम पर 14 हजार ठग लिए।

पैसे लेने के बाद स्विच ऑफ कर लिया मोबाइल फोन

शनिवार तड़के सभी 14 श्रद्धालु मंदिर परिसर में पहुंचे। यहां आकर उन्होंने गोमे को फोन किया लेकिन वह लगातार स्विच ऑफ आता रहा। भस्म आरती का समय निकलने के बाद उन्होंने मंदिर प्रशासन को शिकायत दर्ज कराई। मंदिर प्रबंधन समिति के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि श्रद्धालुओं की शिकायत मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसी को जांच के निर्देश दिए थे। एजेंसी ने सूरज गोमे को दोषी पाते हुए उसे हटा दिया है। सुरक्षा सुपरवाइजर सूरज गोमे मुंबई से आए इन 14 श्रद्धालुओं को पहले से ही जानता था। वह पहले भी इन श्रद्धालुओं को दर्शन करा चुका था। इस बार जब श्रद्धालु आए तो उन्होंने गोमे से संपर्क किया और भस्म आरती में शामिल होने की इच्छा जताई थी।

अक्षर योग केंद्र ने योगासनों के 5 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए

• 7 आसनों के रिकॉर्ड के लिए प्रयास, 2 आसनों पर विचार

कर्मयोगी की रिपोर्ट

चंडीगढ़। हिमालयन सिद्ध योग गुरु अक्षर के दूरदर्शी नेतृत्व में एक नया इतिहास रचा गया। अक्षर योग केंद्र ने 5 विशिष्ट योगासनों का वैश्विक मानकों पर सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके 5 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए। 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला मे आयोजित इस स्पर्धा के जरिये योग की सार्वभौमिक अपील यानी शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए इसके गहन लाभों का संदेश पूरी दुनिया देने का प्रयास किया गया। उल्लेखनीय है कि पांच विश्व

कीर्तिमान स्थापित करने वाले आसनों में नौकासन, कौण्डिन्य आसन (ऋषि कौंडिन्य मुद्रा), चक्रासन, भगवान शिव की एक मुद्रा नटराजासन, पांच मिनट तक लगातार सूर्य नमस्कार का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया। अक्षर योग केंद्र ने त्रिपुरा वासिनी, पैलेस ग्राउंड, बेंगलुरु में सात आसनों के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के लिए प्रयास किया गया था। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की अंतरराष्ट्रीय टीम ने मानकों का अध्ययन करके पांच आसनों में रिकॉर्डों को मान्यता दी। इसके अलावा दो आसनों पर रिकॉर्ड की मान्यता समीक्षाधीन हैं। जिन्हें विचार के लिए लंदन भेजा जाएगा। भारत की प्राचीन परंपराओं में गहराई से निहित योग, विश्व स्तर पर स्वास्थ्य और आध्यात्मिक कल्याण के प्रतीक के रूप में कार्य करता है। हिमालयन सिद्ध योग गुरु अक्षर के अनुसार इन रिकॉर्ड को बनाने का उद्देश्य योग के असंख्य लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, दुनिया भर के लोगों को समग्र स्वास्थ्य और आंतरिक शांति के लिए इस अभ्यास को एकीकृत करने के लिए प्रोत्साहित करना है। त्रिपुरा वासिनी, पैलेस ग्राउंड में प्रभावशाली वैश्विक भागीदारी ने सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं को पार करने की योग की क्षमता को प्रदर्शित किया। हिमालयन सिद्ध अक्षर के नेतृत्व में इस अवसर पर योग के गहन प्रभाव पर प्रकाश डाला गया। साथ ही समर्पित अभ्यास के माध्यम से अनुशासन का प्रदर्शन किया गया। शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित अक्षर योग केंद्र इसके विविध लाभों को प्रदर्शित करने के लिए नियमित रूप से फिटनेस शिविर, मुद्रा कार्यशालाएं और ध्यान सत्र आयोजित करता है। हिमालयन सिद्ध अक्षर के अनुसार, योग शरीर, मन और आत्मा का एक अभिन्न अंग है। यह इन तत्वों को एकजुट करता है और मानवता के लिए एक अनमोल उपहार के रूप में कार्य करता है। यह उल्लेखनीय घटना वास्तव में लोगों के लिए एक आशीर्वाद है, जो उन्हें योग के अभ्यास को अपनाने के लिए प्रेरित करती है। यह दुनिया भर में एक शक्तिशाली संदेश भेजता है, जिससे हर किसी को योग के गहन महत्व और इसके लाभों का एहसास होता है। इसके अलावा, यह उपलब्धि हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर करती है। इसके साथ ही समग्र स्वास्थ्य और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने में वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करती है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के वरिष्ठ निर्णायक स्वप्निल डांगरीकर और ऋषिनाथ ने पुष्टि की कि 5 रिकॉर्ड सफलतापूर्वक पूरे किए गए थे। स्वप्निल डांगरीकर ने कहा कि मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि टीम अक्षर योग केंद्र ने सफलतापूर्वक 5 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड खिताब स्थापित किए हैं। मुझे याद नहीं आता कि मैंने एक ही दिन में इतने सारे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स सर्टिफिकेट दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि इन विश्व रिकार्डस बनाने के लिए सभी क्षेत्रों से प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें छात्र, अनाथालयों के बच्चे, व्यापारिक समुदाय के सदस्य और कॉर्पोरेट घराने से जुड़े सदस्य शामिल थे। इसमें भाग लेने वाले एनसीसी ग्रुप 'ए' बैंगलोर के 1200 से अधिक एनसीसी कैडेटों का विशेष योगदान रहा है। उनके साथ, उप महानिदेशक, एनसीसी डीटीई कर्नाटक और गोवा, ग्रुप कमांडर, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय 'ए' बेंगलुरु, कमांडिंग ऑफिसर, एसोसिएट एनसीसी अधिकारी, ग्रुप 'ए' एनसीसी बटालियन के स्थायी प्रशिक्षक भी इस भव्य आयोजन का हिस्सा थे। इस गरिमामय समारोह में 20 से अधिक विभिन्न देशों के प्रतिभागी भी शामिल हुए।

एक पेड़ मां के नाम पर अभियान चलाएगी भाजपा

• वीडी शर्मा बोले- 6 जुलाई तक हर कार्यकर्ता अपनी मां के नाम पर लगाएं पौधे

भोपाल (नप्र)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर रविवार से 6 जुलाई तक एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है। सभी कार्यकर्ता एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अपनी मां के नाम से एक पेड़ लगाएं। यह अभियान प्रदेशभर में 6 जुलाई तक चलाया जाएगा। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष शर्मा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में डॉ. मुखर्जी के बलिदान दिवस (23 जून) पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण भी किया।

अमरवाड़ा में किया कार्यालय का उद्घाटन: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने रविवार को छिंदवाड़ा पहुंचे हैं। यहां उन्होंने अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव के कार्यालय का उद्घाटन किया। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया। इस अवसर पर प्रदेश की पीएचई विभाग की मंत्री संपतिया उइके, पार्टी की प्रदेश महामंत्री व सांसद कविता पाटीदार, सांसद छिंदवाड़ा विवेक बंटी साहू, पार्टी प्रत्याशी कमलेश शाह, जिला अध्यक्ष शेषराव यादव एवं मोनिका बट्टी सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ऐसा कोई घर नहीं होगा, जहां हितग्राही न हों: बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने अमरवाड़ा विधानसभा में प्रवास के दौरान कार्यकर्ता सम्मेलन को भी संबोधित किया। कहा- अमरवाड़ा विधानसभा में ऐसा कोई घर नहीं होगा, जहां भाजपा सरकार की योजनाओं के हितग्राही न रहते हों। इसलिए बीजेपी को जिताने का काम सभी को करना है। कार्यकर्ताओं को हर बूथ पर घर-घर जाकर नागरिकों को भाजपा की डबल इंजन सरकार की राष्ट्र और जनहितैषी नीतियों को बताना है। इस लोकसभा चुनाव में छिंदवाड़ा लोकसभा समेत मध्यप्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर भाजपा की विजय हुई।

सितंबर माह के अंत तक जीजी फ्लाईओवर का कार्य होगा पूर्णः मंत्री श्री राकेश सिंह

निर्माणाधीन जीजी फ़्लाईओवर एवं जेपी अस्पताल (1250) का निरीक्षण किया

• निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए तेजी लाकर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये

भोपाल (नप्र)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने निर्माणाधीन जीजी फ्लाईओवर और जेपी अस्पताल (1250) में निर्माणाधीन नवीन इमारत का निरीक्षण किया। इस दौरान विधायक श्री भगवान दास सबनानी सहित विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे। मंत्री श्री सिंह ने गायत्री मंदिर से गणेश मंदिर के बीच 148 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे जीजी फ्लाईओवर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने फ्लाईओवर निर्माण में हो रही देरी के कारणों की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने बताया कि मेट्रो, नगर निगम, और जिला प्रशासन के विभिन्न कार्यों में समन्वय न होने के कारण यह देरी हो रही थी। अब सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्य की गति को तेज किया गया है। विभागीय अधिकारियों की बैठक कर निर्माण कार्य को गति देकर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिये गये। मंत्री श्री सिंह ने निर्देश दिये कि फ्लाईओवर का कार्य सितंबर माह के अंत तक पूर्ण कर लिया जाए।

15 मीटर चौड़े इस फ्लाईओवर की लंबाई 2734 मीटर (करीब पौने तीन किमी) है। जीजी फ्लाईओवर से एमपी नगर आने वाला 60 प्रतिशत ट्रैफिक गुजर जाएगा, जिससे केवल 5 मिनट में पौने तीन किमी की दूरी तय हो सकेगी। मंत्री श्री सिंह ने जेपी अस्पताल (1250) में 26.63 करोड़ रुपये की लागत से 195 बेड और 4 ऑपरेशन थिएटर वाली निर्माणाधीन नवीन इमारत का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की वर्तमान प्रगति की जानकारी प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने से भोपाल की यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और स्वास्थ्य सुविधाओं में भी वृद्धि होगी, जिससे नागरिकों को काफी सुविधा होगी।

सास ने बहू पर लगाया घर के सामने दीवार खड़ी कर बंधक बनाए जाने का आरोप

पुलिस ने बहू पर किया मामला दर्ज, संवेदनशील मामला होने के कारण मौके पर स्वयं कलेक्टर पहुंचे

संजय द्विवेदी, बैतूल। जिला मुख्यालय पर सास- बहू के बीच पारिवारिक विवाद का एक अनोखा संवेदनशील मामला सामने आया है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें 70 वर्षीय सास लता पति महादेव भार्गव ने अपनी बहू प्राची भार्गव पर घर के सामने दीवार बनाकर बुजुर्ग दंपत्ति को कैद करने का आरोप लगाया था। बुजुर्ग महिला का संवेदनशील मामला होने के चलते कलेक्टर स्वयं पुलिस कर्मियों के साथ पीड़ित वृद्ध एवं बहू के घर पहुंचे और सभी हालातों को जाना एवं पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। बैतूल पुलिस ने आवेदिका लता पति महादेव भार्गव टैगोर वार्ड की रिपोर्ट पर थाना गंज में धारा 342, 506, 294, 34 भादवि का पंजीबद्ध कर आरोपी प्राची भार्गव एवं उसके बेटे के विरुद्ध विवेचना में लिया है।

बैतूल जिले में एक के बाद एक सनसनी खेज मामले सामने आ रहे है। आमतौर पर सास-ससुर द्वारा बहु को प्रताड़ित किए जाने के मामले थानों की दहलीज तक ज्यादा पहुंचते है। विवाद के संबंध में बताया जा रहा है कि बहु प्राची एक प्रतिष्ठित निजी स्कूल का संचालन करती है और उनके पति जितिन भार्गव मर्चेंट नेवी में बैतूल से बाहर कार्यरत है। वहीं प्राची के पति जितिन भार्गव ने इस विवाद के संबंध में एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर अपनी पत्नी को निर्दोष बताते हुए कहा है कि कुछ लोगों के प्रभाव में आकर उनकी माता बहु पर गलत आरोप लगा रही है।

दीवार हटवाने हेतु प्रशासन ने दिया एक दिन का अल्टीमेटम-

इस विवाद के संबंध में बैतूलगंज थाना प्रभारी रविकांत डेहरिया एवं एसडीओपी शालिनी परस्ते ने बताया कि उन्होंने मौके पर टीम भेजी थी। इस मामले में महिला की बहु प्राची भार्गव को चेतावनी भी दी गई है, लेकिन वह दीवार तुड़वाने पहले राजी नहीं थी।

बाद में उनके कहने पर उन्हें दीवार तोड़ने के लिए एक दिन का अल्टीमेटम दिया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर प्राची भार्गव एवं जितिन भार्गव के विरुद्ध मामला कायम कर लिया है।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

छत्तीसगढ़ की राजनीति के केंद्र में बिलासपुर

कहा जा रहा है कि बिलासपुर छत्तीसगढ़ की राजनीति का अब केंद्र बिंदु बन गया है। बिलासपुर के सांसद तोखन साहू केंद्र में मंत्री हैं, तो बिलासपुर जिले के लोरमी से विधायक अरुण साव राज्य में उप मुख्यमंत्री हैं। दोनों साहू समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। अब प्रदेश की राजनीति में तोखन साहू और अरुण साव साहू समाज के दो बड़े नेता माने जाने लगे हैं। प्रदेश भाजपा की राजनीति में अब तक बिलासपुर से बड़े नेताओं में अमर अग्रवाल और धरमलाल कौशिक की गिनती होती थी। अमर अग्रवाल तक़रीबन डेढ़ दशक तक राज्य में मंत्री रहे हैं। जनसंघ के जमाने के नेता स्व. लखीराम अग्रवाल के बेटे होने के कारण अमर अग्रवाल की पहचान अलग है। अब वे केवल विधायक हैं। इस कारण प्रोटोकॉल में तोखन साहू और अरुण साव से नीचे हो गए हैं, जबकि माना जाता है कि तोखन साहू की जीत में बड़ी भूमिका अमर अग्रवाल की है। वे बिलासपुर लोकसभा के क्लस्टर प्रभारी थे।बिलासपुर के नेताओं में धरमलाल कौशिक भी बड़ा नाम हुआ करता था। अब वे विधायक ही हैं। धरमलाल कौशिक विधानसभा अध्यक्ष, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष रहे हैं।

रायपुर दक्षिण के लिए उपचुनाव कब ?

बृजमोहन अग्रवाल के इस्तीफे के बाद रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट को रिक्त घोषित कर दिया गया है। विधानसभा सचिवालय ने सीट रिक्त होने की सूचना चुनाव आयोग को भेज दिया है। अब चुनाव तारीख की घोषणा आयोग को करनी है। माना जा रहा है कि सितंबर-अक्टूबर में रायपुर दक्षिण के लिए उपचुनाव हो सकते हैं। भले रायपुर दक्षिण के चुनाव के लिए अभी तारीख की घोषणा नहीं हुई है,लेकिन भाजपा में दावेदारों की होड़ लग गई है। पूर्व सांसद सुनील सोनी के साथ भाजपा के कई पूर्व विधायक और भाजपा के वरिष्ठ नेता दक्षिण से भाग्य आजमाना चाहते हैं। भाजपा के कई नेता टिकट की जुगाड़ में लग गए हैं। कहते हैं भाजपा से जहां रायपुर दक्षिण में चुनाव लड़ने वालों की होड़ लगी है, वहीं कांग्रेस में केवल दो ही नाम चल रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि बृजमोहन अग्रवाल दक्षिण से लगातार आठ बार विधायक रहे हैं, ऐसे में उनसे प्रत्याशी चयन पर राय ली जा सकती है। बृजमोहन अग्रवाल अपने परिवार के किसी सदस्य या विश्वासपात्र व्यक्ति का नाम सुझा सकते हैं।

अजय सिंह पर बिलासपुर के नेता की कृपा

सरकार ने 1983 बैच के रिटायर्ड आईएएस अजय सिंह को छत्तीसगढ़ राज्य का निर्वाचन आयुक्त बना दिया है। अजय सिंह राज्य के मुख्य सचिव भी रह चुके हैं और अभी छत्तीसगढ़ योजना आयोग के उपाध्यक्ष हैं। अजय सिंह मूलतः छत्तीसगढ़ के निवासी हैं और मुंगेली जिले के एक गांव के रहने वाले हैं। कहते हैं कि मुंगेली जिले के होने के कारण भाजपा के एक नेता ने अजय सिंह को राज्य निर्वाचन आयुक्त बनवाने में कृपा बरसाई। अजय सिंह दूसरे रिटायर्ड मुख्य सचिव हैं, जो राज्य निर्वाचन आयुक्त की जिम्मेदारी संभालेंगे। रिटायर्ड मुख्य सचिव शिवराज सिंह भी राज्य निर्वाचन आयुक्त रह चुके हैं। राज्य निर्वाचन आयुक्त का पद काफी दिनों से तदर्थवाद पर चल रहा था। चर्चा है कि राज्य निर्वाचन आयुक्त के लिए कई दावेदार थे। एक वर्तमान संभागायुक्त भी दौड़ में थे। इनके आलावा कई रिटायर्ड आईएएस भी राज्य निर्वाचन आयुक्त के लिए जोड़-तोड़ में लगे थे। लाटरी अजय सिंह की लगी।

चार मंत्रियों को संगठन की खरी-खरी

कहते हैं पिछले दिनों एक बैठक में संगठन के एक बड़े पदाधिकारी ने प्रदेश के चार मंत्रियों को खरी-खरी बात कही और उन्हें कामकाज तथा व्यवहार सुधारने की नसीहत भी दी। कहा जा रहा है कि ये चारों मंत्री पांच महीने में ही सुर्ख़ियों में आ गए हैं। एक मंत्री के बारे में खबर है कि कांग्रेसियों से ही घिरे रहते हैं। इसको लेकर भाजपा के कार्यकर्ताओं में गुस्सा है, तो कुछ मंत्री अपने पीए-पीएस के कारण चर्चा में हैं। इन मंत्रियों में से कुछ पुराने लोगों को या फिर विवादों में रहे लोगों को अपने स्टाफ में रख लिया है। अब देखते हैं संगठन के पदाधिकारी के नसीहत के बाद मंत्रियों के रुख में क्या बदलाव आता है।

रेणुका सिंह का गुस्सा

21 जून को योग के कार्यक्रम में मनेन्द्रगढ़ के कलेक्टर-एसपी की गैर-मौजूदगी से भरतपुर-सोनहत की विधायक रेणुका सिंह भड़क उठीं और उनको लेकर सार्वजनिक बयान भी दीं। कहा जा रहा है कि कलेक्टर बीमार होने के कारण योग करने नहीं पहुंचे और एसपी देर रात तक एक केस सुलझाने में लगे थे, इस कारण वे योग के कार्यक्रम में शरीक नहीं हो पाए। रेणुका सिंह के मुख्य आथित्य वाले योग कार्यक्रम में कलेक्टर और एसपी के मातहत अधिकारी मौजूद थे, पर कलेक्टर-एसपी की अनुपस्थिति विवाद और चर्चा का विषय बन गया है। सवाल भी उठ रहा है कि क्या कलेक्टर-एसपी या उनके मातहतों ने विधायक को वस्तुस्थिति से अवगत कराया था या नहीं ? रेणुका सिंह भले अभी केवल विधायक हैं, पर पहले केंद्र और राज्य में मंत्री रही हैं, ऐसे में अनदेखी करना, शायद उनको नागवार गुजरा। अब देखते हैं सरकार क्या कदम उठाती है ?

अंतत : बृजमोहन का मंत्री पद से इस्तीफा

रिकार्ड मतों से रायपुर का सांसद चुने जाने के बाद बृजमोहन अग्रवाल ने पहले विधायक फिर मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। बृजमोहन पहली बार विधायक चुने जाने के बाद ही पटवा मंत्रिमंडल में मंत्री बन गए थे। रमन मंत्रिमंडल में 15 साल मंत्री रहे। रायपुर दक्षिण से आठ बार के विधायक बृजमोहन अग्रवाल साय मंत्रिमंडल में शिक्षा मंत्री थे। बिना विधायक के भी छह माह तक मंत्री रहने के उनके बयान से वे सुर्ख़ियों में आ गए और कयासों का बाजार गर्म हो गया था।बृजमोहन के संसदीय सचिव रहे तोखन साहू सांसद बनने के साथ मंत्री भी बन गए, पर बृजमोहन की लाटरी नहीं लगी। कहा जा रहा है कि बृजमोहन भले मंत्री नहीं बन पाए,पर केंद्र की राजनीति में अहम रहेंगे। न तो उनकी वरिष्ठता को नाकारा जा सकता है और न उनके संपर्कों को।चर्चा है कि बृजमोहन को संगठन में कोई बड़ा पद मिल सकता है। अब देखते हैं क्या होता है?

साय मंत्रिमंडल का विस्तार जुलाई में संभव

चर्चा है कि छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार जुलाई के पहले हफ्ते में हो सकता है। बृजमोहन अग्रवाल के इस्तीफे के बाद साय मंत्रिमंडल में दो पद रिक्त हो गए हैं। 22 जुलाई से विधानसभा का मानसून सत्र प्रस्तावित है, ऐसे में माना जा रहा है कि सत्र के पहले मंत्रिमंडल का विस्तार कर लिया जाएगा। कयास लगाया जा रहा है कि मंत्रिमडल से एकाध मंत्री को ड्राप किया जा सकता है। विस्तार के बाद मंत्रियों के विभाग में फेरबदल की संभावना भी है। मंत्री बनने की कतार में कई विधायक हैं। पुराने के साथ नए विधायक भी समीकरण बैठाने में लगे हैं,पर कहा जा रहा है कि फैसला दिल्ली से ही होगा।

गवर्नर का कार्यकाल अगले माह तक

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन का कार्यकाल अगले महीने खत्म हो रहा है। दिल्ली में नए गवर्नरों की नियुक्ति को लेकर सुगबुगाहट शुरू हो गई है। इस कारण छत्तीसगढ़ में भी नए गवर्नर पर कयास शुरू हो गए हैं। विश्वभूषण हरिचंदन को जुलाई 2019 में आंध्रप्रदेश का गवर्नर नियुक्त किया गया था। इसके बाद फ़रवरी 2023 में उनका तबादला छत्तीसगढ़ कर दिया गया। आंध्रप्रदेश और छत्तीसगढ़ का कार्यकाल मिलाकर 24 जुलाई को उनके पांच साल की अवधि पूरी हो जाएगी। तीन अगस्त 1934 को जन्मे विश्वभूषण हरिचंदन पांच बार ओडिशा विधानसभा के लिए चुने गए। ओडिशा में मंत्री भी रहे।